卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यःशोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 269 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦10 जुलाई 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

उपचुनाव के लिए वोटिंग के दौरान बवाल

बसपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता भिड़े, कई राउण्ड फायरिंग से मची भगदड़, चार लोग घायल

देहरादून (उद संवाददाता)। बदरीनाथ और मंगलौर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए सुबह आठ बजे से मतदान शुरू हुआ। मंगलौर में मतदान के दौरान कांग्रेस और बसपा कार्यकर्ताओं के बीच टकराव हो गया। इस दौरान जमकर मारपीट हुयी और फायरिंग से मौके पर अफरा तफरी मच गयी। पुलिस और सुरक्षा बल के जवानों ने बमुश्किल माहौल शांत किया। बता दें मंगलौर सीट पर बसपा विधायक के निधन के बाद से यह सीट खाली चल रही थी। जबकि बदरीनाथ सीट पर लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के विधायक भाजपा में शामिल हो गए थे।

आज दोनों सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान हुआ। मंगलौर सीट पर मतदान के दौरान भारी बवाल हो गया। लिब्बरहेडी के बूथ नंबर 53-54 नंबर पर बसपा और भाजपा के कार्यकर्ताओं में कहासुनी के बाद मारपीट हो गयी। बताया जाता है कि बूथ पर कुछ लोग मतदान करने के लिए जा रहे थे। जब वह मतदान केंद्र के परिसर में पहुंचे तो यहां पर पहले से मौजूद कुछ लोगों ने उनको वापस जाने के लिए कहा। वह लोग नहीं चाहते थे कि मतदान किया जाए। इस बात को लेकर बहस शुरू हो गई। पुलिस कुछ समझ पाती, उससे पहले ही जमकर मारपीट हो गई। इसके बाद फायरिंग शुरू हो गई। हंगामा कर रहे लोगों ने मौके पर करीब आठ से दस राउण्ड हवाई फायर किये जिससे वहां पर भगदड़ मच गई। पुलिस को इस बात की सूचना दी गई। इसके बाद एसपी देहात स्वप्न किशोर सिंह, एसपी क्राइम पंकज गैरोला कई सीओ एवं थानाध्यक्ष को लेकर मौके पर पहुंच गए।पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों को लाठियां भांजकर खदेड़ा गया। पुलिस ने बताया कि चार लोग घायल हुए हैं। जिनके नाम शकील अहमद, शहबान और तौकीर हैं। मौके पर भारी फोर्स तैनात कर दी गयी। जिसके (शेष पृष्ठ 7 पर)

केदारनाथ की विधायक शैला रानी का निधन

देहरादून (उद संवाददाता)। केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र की विधायक शैलारानी रावत का मंगलवार रात निधन हो गया। उन्होंने देहरादून के मैक्स अस्पताल में अंतिम सांस ली। विधायक के भाई व उत्तराखंड प्रेस क्लब के अध्यक्ष अजय राणा ने इसकी

पुष्टि की है। वह 68 साल की थीं। विधायक शैलारानी दो दिन से मैक्स अस्पताल में वेंटिलेटर पर थीं। रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर की सर्जरी के बाद से उनका स्वास्थ्य लगातार गिर रहा था। बता दें वर्ष 2017 में विस चुनाव प्रचार के दौरान शैलारानी रावत गिर गई थीं, जिससे उन्हें आंतरिक चोट आई थी। चोट से मांस फटने के कारण उन्हें कैंसर भी हो गया था। करीब तीन वर्ष तक चले इलाज के बाद वह स्वस्थ्य होकर अपने घर लौटी और फिर से राजनीति में सक्रिय हो गईं। कुछ माह पूर्व ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ की सीढ़ियों से गिरने के कारण उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर आ गया था। परिजनों द्वारा उन्हें हायर सेंटर ले जाया गया, जहां उनकी सर्जरी की गई, पर वह सफल नहीं हो पाईं। दो दिन से वह जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही थीं। शैलारानी ने अपना राजनीतिक (शेष पृष्ठ 7 पर)

कैंटर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। बाईक पर सवार होकर यहां मुख्य बाजार में एक मेडिकल स्टोर में कार्य के लिए आ रहे युवक को मार्ग में विपरीत दिशा से आ रहे

कैंटर चालक ने रौंद दिया जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया उसे उपचार के लिये पहले निजी चिकित्सालय और फिर राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृतक घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भिजवाया। जानकारी के अनुसार ग्राम भागनी बुजुर्ग थाना खजूरिया रामपुर निवासी 20 वर्षीय विशाल पुत्र ओमकार यहां मुख्य बाजार स्थित दयाल मेडिकल स्टोर में काम करता था और प्रतिदिन घर से बाईक द्वारा आता था। बताया जाता है कि आज प्रातः वह अपनी बाईक पर सवार होकर डयूटी के लिये निकला तो मार्ग में ग्राम गोदीखाते के समीप विपरीत दिशा से आते कैंटर चालक ने बाईक को टक्कर मार दी। जिससे विशाल गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी (शेष पृष्ठ सात पर)

डिमरी नदी में डूबने से युवक की मौत

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। काशीपुर मार्ग पर मंगलवार शाम डिमरी नदी में डूबे युवक का शव क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा नदी से बरामद कर निकाल लिया गया। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी मिलने पर पुलिस कर्मियों के साथ ही पटवारी व कानूनगो सहित कई जनप्रतिनिधि व ग्रामीण भी मौके पर आ पहुंचे। पुलिस मे मृतक का शव जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। घटना से ग्राम में शोक की लहर व्याप्त हो गई। जानकारी के अनुसार ग्राम भगवानपुर निवासी 22 वर्षीय आकाश कुमार पुत्र दलीप एक फैक्ट्री में

काम करता था। मंगलवार सायं वह अपने दोस्त ग्राम के ही निवासी उमेश पुत्र राजकुमार के साथ श्री बालाजी धाम मंदिर के पीछे बहने वाली डिमरी नदी के किनारे बैठा हुआ था। नदी का जलस्तर काफी ज्यादा और बहाव तेज बना था। इसी दौरान आकाश अचानक असंतुलित होकर नदी में जा गिरा। जिस पर उसके दोस्त उमेश ने शोर मचाया और खुद आकाश को बचाने नदी में कूद पडा। लेकिन आकाश का कोई पता नहीं चला। इधर मामले की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के समाजसेवी जगदीश जोशी के साथ परिजन तथा कई लोग मौके पर आ पहुंचे। घटना की सूचना मिलने पर एसडी आरएफ की टीम भी वहां पहुच गई और मध्य रात्रि तक नदी (शेष पृष्ठ 7 पर)

तीन दिन से लापता युवक का नानकसागर डैम में शव बरामद

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। नानकसागर डाम में एक युवक का शव पुलिस ने बरामद किया है। जो तीन दिन से लापता था, जिसके बारिश के तेज बहाव में नदी में डूबने की आशंका थी। पुलिस ने शव को कब्जें में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम पिपलिया पिस्तौर निवासी हरीश सिंह राणा पुत्र आनन्द सिंह राणा 8 जुलाई को घर से किसी काम के लिए निकला था, जो (शेष पृष्ठ 7 पर)

यौन शोषण के मामले में भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री को हाईकोर्ट से मिली राहत

देहरादून(उद संवाददाता)। भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री संगठन संजय कुमार के खिलाफ दुराचार एवं यौन शौषण के

मामले में समन जारी करने के साथ मुकदमे से संबंधित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट देहरादून की पूरी कार्यवाही को हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद रद्द कर दिया है। बता दें 2018 में पुलिस ने इस मामले में दर्ज मुकदमे में संजय कुमार गुप्ता के विरुद्ध देहरादून सीजेएम कोर्ट में धारा 354 ए -03 एवं 354 ए 04 में आरोप पत्र दाखिल किया था निचली कोर्ट से जारी समन को भाजपा के (शेष पृष्ठ 7 पर)

मुझे राजनैतिक साजिश के तहत फंसाया गया: संजय

नैनीताल। हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद भाजपा नेता संजय कुमार ने कहा कि हाईकोर्ट से उन्हें न्याय मिला है। इसके लिए मैं कोर्ट का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि अब वे संघ व भाजपा के उच्च पदाधिकारियों से मिलेंगे और उनके निर्देशन पर ही आगे की दिशा तय होगी। उन्होंने कहा कि मुझे राजनैतिक साजिश के तहत फंसाया गया था। सामाजिक रूप से बदनाम करने की कोशिश की गयी। उनका राजनैतिक कैरियर समाप्त करने का प्रयास किया गया। इतने वर्षों तक मैंने मानसिक व सामाजिक पीड़ा झेली। यह मेरे लिए बहुत कष्टदायक था। आखिरकार सत्य की जीत हुयी है।

जमरानी बांध विस्थापितों से पहले खुरपिया फार्म और प्रयाग फार्म के लोगों का हो पुनर्वास: बेहड़

किच्छा(उद संवाददाता)। विधायक तिलक राज बेहड ने कहा कि किच्छा के खुरपियां फार्म व प्रयाग फॉर्म में जमरानी बांध विस्थापितों को सरकार द्वारा बसाया जा रहा है। प्रशासन द्वारा पुनर्वास के लिए सवा करोड़ रुपए का भी प्रावधान किया है। इसके लिए एजेंसी भी नामित कर दी गई है। जबकि खुरपिया फार्म व् प्रयाग फार्म में वर्षो से रह रहे लोगों का पुनर्वास नहीं किया गया है। बेहड़ ने बताया कि इस सम्बन्ध में उन्होंने आयुक्त कुमायूँ मण्डल और जिलाधिकारी ऊधम सिंह नगर को पत्र लिखे हैं। बेहड़ ने कहा कि आजादी से पूर्व तथा बाद में खुरपिया फार्म का प्रयाग फॉर्म में सैकड़ो परिवार अपना मकान बनाकर रहते हैं, तथा मजदूरी आदि का कार्य करते हैं। उपरोक्त स्थान पर एम्स मेडिकल कॉलेज का भी निर्माण चल रहा है,कई और ऊद्योग भी सरकार लगाना चाहती है। खुरपिया फार्म की जमीन भी सरकार के द्वारा अन्य योजनाओं को भी आवंटित की गई है।

ऐसी स्थिति में पूर्व में बसे सैकड़ों परिवारों का भविष्य भी खतरे में है। इससे पहले पूर्व सरकार के द्वारा 500 एकड़ भूमि लगभग खुरपिया फार्म में बसे लोगों को भी दी जाएगी ऐसा फैसला किया गया था। आज तक खुरपिया फार्म व प्रयाग फार्म में लोगों को जमीन उपलब्ध नहीं कराई गई है, और जमरानी बांध के लोगों को पुनर्वास करने की तैयारी चल रही है। बेहड ने कहा कि (शेष पृष्ठ 7 पर)

अभद्रता पर पूर्व विधायक शुक्ला एसएसपी कैंप पर धरने पर बैठे

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। पीड़ित परिवार के साथ फरियाद लेकर पहुंचे पूर्व विधायक राजेश शुक्ला के साथ एसएसपी कैंप कार्यालय में तैनात संतरी ने अभद्रता कर दी। इस घटना से नाराज श्री शुक्ला ने एसएसपी कैंप कार्यालय के बाहर अपने पीड़ितों और समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गये। जानकारी के अनुसार पंतनगर के पीड़ित परिवार पर ही मुकदमा कायम करने के विरोध में पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने पीड़ित परिवार एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ एसएसपी

कैंप कार्यालय पर पहुंचे। आरोप है कि गेट पर तैनात संतरी द्वारा उनके और पीड़ित परिवार के साथ अभद्रता कर दी। धक्का मुक्की का भी आरोप है। इससे गुस्साये श्री शुक्ला पीड़ित परिवार के साथ एसएसपी कैंप कार्यालय के गेट पर ही धरने पर बैठ गये। उनका आरोप था कि वह एसएसपी से समय लेकर ही उनसे मिलने आये है लेकिन संतरी द्वारा उन्हे अंदर जाने से रोक दिया। यही नही उनके साथ उसके अभद्रता और धक्कामुक्की भी की गई है। बताया जाता है कि इस दौरान एसएसपी कैंप कार्यालय में तैनात कर्मचारी ने शुक्ला से अकेले अंदर जाने को कहा जबकि पीड़ित परिवार को बाहर ही रोक दिया। जिससे क्षुब्ध श्री (शेष पृष्ठ सात पर)

व्यापारी के घर से चोरी के मामले में चार हिरासत में

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गत दिनों गंगापुर मार्ग पर व्यापारी के घर परिजनों की गैरमौजूदगी में हुई लाखों की चोरी के मामले में शामिल शातिर चोरों को पुलिस ने सामान सहित दबोच लिया है। पुलिस कभी भी मामले का खुलासा कर सकती है। सूत्रों के अनुसार गंगापुर मार्ग पर स्थित विजय लक्ष्मी कालोनी निवासी अमित छावड़ा के आवास पर गत 29 जून को अज्ञात चोरों द्वारा ताले तोड़ कर सेवरात व हजारों की नगदी चोरी कर ली थी। मामले की रपट दर्ज करने के बाद कार्रवाई न होने पर व्यापारियों ने एसपी स्टि‍टी का घेराव भी किया था। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने मामले में शामिल चार शातिर चोरों को दबोच लिया है। जिनमें मानपुर पश्चिम देवल चौड़ हल्द्वानी निवासी सुभाष दिवाकर पुत्र अशोक दिवाकर, महर्षी स्कूल रोड़ कृष्णा फार्म हाउस,देवलचौड़ निवासी संदीप (शेष पृष्ठ 7 पर)

बाढ़ के पानी से चौक हुए नालों, नाली की सफाई शुरू

शहर में जलभराव के कारणों की जांच को जुटी पालिका टीम

सितारगंज(उद संवाददाता)।शहरी क्षेत्र में जलभराव के लिए ड्रेनेज सिस्टम पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया है। बारिश का पानी जिन नालों, नाली, पुलियों से निकलता है, उनमें से अधिकांश संकरे और अतिक्रमित हैं। जिस वजह से शहरी क्षेत्र में जलभराव के हालात उत्पन्न हो रहे हैं घरों, राइस मिल, हॉस्पिटल, के अलावा बारिश का पानी सड़कों में जमा होकर बर्बादी के जख्म दे रहा है। हालांकि ड्रेनेज सिस्टम पर बरसात से पूर्व योजना के अनुरूप काम होना था। लेकिन नगर पालिका प्रशासन ने अब शहरी क्षेत्र में जलनिकासी के लिए नाली, नालों और पुलियों का दोबारा सर्वे कर सफाई कार्य तेजी से कार्य शुरू कर दिया है। पहाड़ों पर बारिश होने के बाद शहरी क्षेत्र में जल भराव के हालात उत्पन्न हो गए थे। शहरी क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में घरों के भीतर बढ़ का पानी घुस गया था। जिस वजह से प्रभावितों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। राइस मिलों में भी बाढ़ का पानी घुसने से बड़े पैमाने पर अनाज बर्बाद हुआ है। बारिश रुकने के बाद शहरी क्षेत्र के हालात तो सामान्य हो गए। लेकिन जल भराव के कारण आमजन में दहशत बनी हुई है। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने शहरी क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को जलनिकासी के निर्देश दिए थे। जिसके बाद नगर पालिका प्रशासन ने शहरी क्षेत्र में घुसे बाढ़ के पानी की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। नगर पालिका प्रशासन ने शहर से जल निकासी के लिए बने नालो नाली, संकरी पुलियों का निरीक्षण कर ड्रेनेज सिस्टम के लिए सुविधाजनक योजना पर काम शुरू किया है। नगर पालिका के अधि शासी अधिकारी नौशाद हसीन ने बताया कि जल निकासी के लिए बाढ़ से चौक हो चुकी संकरी पुलियों की तत्काल में सफाई की जा रही है। नदियों, नहर में गिरने वाले शहर के नालों, गूलो को साफ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अतिक्रमित किए गए नालो की सफाई की जा रही है।

चीनी मिल की अनुपयोगी भूमि पर लगेगा सोर उर्जा प्लांट

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी/प्रबन्ध निदेशक उत्तराखण्ड शुगर्स उदयराज सिंह की अध्यक्षता में चीनी मिल नादेही/बाजपुर के पास उपलब्ध अनुपयोगी भूमि में सौर ऊर्जा स्थापित प्लांट किये जाने के सम्बन्ध में जिला सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में आईटीसी कम्पनी द्वारा चीनी मिल के लैण्ड बैंक पर सोलर पावर प्लांट लगाये जाने का प्रस्ताव दिया गया। जिस पर जिलाधिकारी/प्रबंध निदेशक

उ.ख. शुगर्स बताया कि बाजपुर शुगर मिल में 30 एकड़, नादेही में 20 एकड़ व किच्छा में 10 एकड़ अनुपयोगी भूमि उपलब्ध है । उन्होंने आईटीसी कंपनी को उपलब्ध भूमि के मूल्यांकन के आधार पर चीनी मिल्स को वास्तविक लाभ के आध ार पर आवश्यक आनुपातिक धनराशि दिये जाने अथवा उपलब्ध भूमि के वार्षिक लीज रेन्ट के आधार पर धनराशि का भुगतान दिये जाने के पृथक-पृथक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि परस्पर सहमति के उपरांत अग्रेत्तर कार्यवाही की जा सके। बैठक में अधिशासी निदेशक बाजपुर शुगर मिल हरबीर सिंह, नादेही चीनी मिल से खिमानंद, डीसी पांडे, एसपीओ उरेड़ा सुरेंद्र सिंह रावत, आईटीसी कंपनी से अजय कौशिक, अभिषेक अवस्थी, अमरेन्द्र प्रताप सिंह, दीपिका सेमवाल आदि उपस्थित थे।

युवक को अगवा कर जानलेवा हमला,बचाने आई मां पर मारी ईंट

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। निकटवर्ती ग्राम सेंजनी में एक ही परिवार के कुछ लोग एक युवक को विवाद के चलते खींचकर अपने घर ले गए और उस पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान युवक को बचाने पहुची उसकी

मां पर ईंट मार दी। जिससे मां पुत्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर होने पर वहां आए ग्रामीणों ने दोनों को बचाया। घायलों को उपचार के लिए चिकित्सालय ले जाया गया। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। सुखदेव सिंह पुत्र सलविंदर सिंह निवासी ग्राम सेंजनी का कहना है कि गत रात्रि 9 बजे उसके ताऊ के लड़के ने उसके घर के आगे बुलट से पटाके मारें। उसके बाद परिवार के साथ गाली गलौच व जान से मारने की धमकी दी। उसका आरोप है कि बुधवार को सुबह करीब 7 बजें उसके भाई गुरदेव सिंह पुत्र सलविन्दर सिंह को ताऊ के परिजन घर के बाहर सड़क से खीचकर अपने घर ले गयें और उस पर धारदार हाथियार से जान लेवा हमला कर दिया। जब हल्ला हुआ तो गाँव के लोगो ने बीच बचाव किया उसकी माता सलविन्दर कौर भी बीच बचाव करने लगी तो हमलावरों ने उनके मुहँ पर ईट फैककर मारी जिससे सलविन्दर कौर की नाक फट गई। गुरदेव सिंह को परिवार के लोग बडी मुश्किल से छुटाकर लाये। भाई गुरदेव सिंह को लगातार जानमाल का खतरा बना हुआ है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लाखों के जेवर व नगदी के साथ नाबालिग को भगा ले गया युवक

रूद्रपुर।नाबालिग लड़की को लाखों के जेवरात और नगदी के साथ युवक भगा ले गया। मामले की रपट दर्ज करा दी गई है। दर्ज रपट में युवती के परिजनों ने कहा है कि 5 जुलाई की सुबह करीब 6 बजे की घटना है उनकी 16 वर्षीय नाबलिग पुत्री घर से गायब हो गई। खोजबीन करने पर पता चला कि मुस्तफा उर्फ छोटू पुत्र इस्लाम निवासी केलाखेड़ा पुत्री को घर से बहका-फुसलाकर ले गया है। परिजनों ने बताया कि पुत्री मुस्तफा के बहकावे में आकर घर में रखे नकद 80 हजार रूपये तथा करीब 5 तोले सोने के जेवरात जिसमें गले का हार, एक चैन, एक जोड़ी कुन्डल, चार अंगूठियां है और एक मोबाईल भी घर से ले गई है जो कि अब बन्द जा रहा है। पुलिस ने आरोपी क खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिला अस्पताल परिसर में हुआ जलभराव

रुद्रपुर। जिला अस्पताल परिसर और मुख्यद्वार में जलभराव होने से डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों और मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. केदार सिंह शाही ने बताया कि हाल ही में अस्पताल के सामने सड़क का निर्माण हुआ है। अस्पताल परिसर से ऊंची सड़क बनने के कारण बारिश का पानी अस्पताल परिसर में घुस आया। मुख्य गेट पर नाला बंद होने की वजह से साफ सफाई नहीं हो पा रही थी। बारिश में जलभराव होने से परिसर में निर्माणाध ीन सीसीबी, छात्रावास, गेस्ट हाउस आदि का निर्माण रुक गया था। इस पर उन्होंने मजदूरों को लेकर नाले से जल निकासी की व्यवस्था कराई। तब जाकर अस्पताल परिसर में भरा पानी निकल सका। कहा कि वर्षाकाल में नालों की निरंतर साफ सफाई होनी चाहिए।

सीओ सिटी से लगाई लापता बालक की बरामदगी की गुहार

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। दस दिन पूर्व मौहल्ला आदर्श कालोनी से लापता हुए बालक के परिजनों ने आज पूर्व विध ायक राजकुमार ठुकराल के साथ सीओं

सिटी निहारिका तोमर से मुलाकात की और उनसे बालक की खोज के लिए अपने स्तर से प्रयास तेज करने की गुहार लगाई। परिजनों ने बताया कि उनका पुत्र हमजा बेग गत 2 जुलाई से घर से लापता है। सीसीटीवी फुटेज में वह अंतिम बार रेलवे स्टेशन के पास दिखाई दिया था। लेकिन उसके बाद उसका कही कोई पता नहीं चल पा रहा है। सीओ ने उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा कि पुलिस लगातार बालक की तलाश में जुटी हुई है। इसके लिए उत्तर प्रदेश पुलिस से भी सम्पर्क किया जा रहा है। मिलने वालों में बाबू खान, जक्की रजा, नावेद खान, राजा, नब्बू, इन्द्र पाल, फारूख अली, अज्जू, लियाकत, वाहिद, इमरान रजा, सरफराज खान, मोहसिम खान, मुन्ने, असलम, खालिद, कलीम अहमद, वकी रजा, वसी रजा, गुफरान, दानिश आदि शामिल थे।

मोहर्रम पर शांति व्यवस्था के लिए प्रशासन ने बुलाई बैठक

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। कोतवाली अल्मोड़ा में एसडीएम अल्मोड़ा जयवर्धन शर्मा की अध्यक्षता व सीओ अल्मोड़ा विमल प्रसाद, वरिष्ठ उपनिरीक्षक सतीश चंद्र कापड़ी की उपस्थिति में आगामी मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत पीस कमेटी की गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में विद्युत विभाग, बीएसएनल विभाग, केबिल व्यवसाय , जल संस्थान ,नगर पालिका, अंजुमन सेवा समिति, ताजिया

दार ,अखाड़ा समिति, व्यापार मंडल अध्यक्ष व नगर के अन्य संभ्रांत नागरिकों की मौजूदगी में पर्व को शांतिपूर्वक सकुशल सम्पन्न कराने हेतु विचार-विमर्श किया गया। जिसमें तय किया गया की मोहर्रम में निकाले जाने वाले ताजियों की ऊंचाई निर्धारित ऊंचाई से अधिक नहीं होगी व मोहर्रम के दौरान ताजिये निर्धारित रूट से ही निकाले जाएंगे। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए सभी से आपसी भाईचारा के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व को मनाने की अपील की गई। इसके उपरांत उपजिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी द्वारा उपस्थित सभी विभागीय कर्मचारियों को मोहर्रम के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए।

टम्टा ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)।जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में सेना के वाहन पर हुए आतंकी हमले में जवानों के बलिदान पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा कि यह समाचार अत्यंत दुखद है। वीरगति को प्राप्त करने वाले सभी जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की है कि राष्ट्र सेवा हेतु अपना सर्वोच्च समर्पण करने वाले जवानों को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा उनके परिवारजनों को इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करेंहमारा राष्ट्र अपने वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान के प्रति सदैव ऋणी रहेगा।

अधिवक्ता लक्ष्मण सिंह के निधन पर किया शोक व्यक्त

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला बार एसोसिएशन, ऊधम सिंह नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता लक्ष्मण सिंह धामी के आकस्मिक निधन पर जिला न्यायालय, उधम सिंह नगर, रुद्रपुर के सभी न्यायिक अधिकारीगण एवं जिला बार के सदस्यगण की एक शोक सभा न्यायालय जिला न्यायाधीश में आयोजित की गयी। जिसमें दो मिनट का मौन धारण किया गया और स्व. लक्ष्मण सिंह धामी वरिष्ठ अधिवक्ता के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए सभी न्यायिक अधिकारीगण एवं अधिवक्तामण द्वारा ईश्वर से प्रार्थना की गयी कि वह दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस असीम दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शोक व्यक्त करने वालों में जिला न्यायधीश सिकंद कुमार त्यागी, जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष दिवाकर पाण्डेय, डीएन सनवाल, पावेल कदायत, विकास तिवारी, सुशीला मेहता, पियूष पंत, सुजीत बढ़ई, शाहिद हुसैन, डीडी गुणवंत, परवेज आलम, नरेश रस्तोगी, जयमता शक्ति मिश्रा, कृष्ण चंद्र, आशीष त्रिपाठी, अखिलेश कुशवाहा, प्रकाश चंदोला, गुरबाज सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, कुलवीर सिंह, खड़ग सिंह, संतोष राठौर, गुरजीत सेंगर, सुधीर सिंह, आरएस रावत, सूरज सक्सेना, रमेश चंद्र शर्मा, प्रकाश यादव सहित सभी अधिवक्ता एवं न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश में मानसिक रोग के शिकार बच्चों और किशोरों पर सर्वे कर रही सरकार

देहरादून(उद संवाददाता)। सरकार प्रदेश में मानसिक रोग के शिकार बच्चों और किशोरों पर सर्वे कर रही है। यह सर्वे राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के तहत दून मेडिकल कॉलेज और बैंगलुरू स्थित प्रख्यात नेशनल इंस्टीट्यूट आफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेंस (निमहांस) की टीम कर रही है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर राजेश कुमार का कहना है कि सर्वे का उद्देश्य बच्चों में मानसिक रोगों के कारण और उनका निदान करना है। उन्होंने बताया कि सरकार मानसिक रोग से ग्रसित लोगों के समुचित इलाज और उनके अधिकारों को लेकर संकल्पित है। प्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के तहत 107 सरकारी व गैर सरकारी मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के अलावा नशा मुक्ति केंद्र पंजीकृत हैं। राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण एवं मानसिक स्वास्थ्य पुर्नाविलोकन बोर्ड समय-समय पर इन केंद्रों का औचक निरीक्षण करते हैं। उन्होंने बताया कि निमहांस और दून मेडिकल कॉलेज की टीम प्रदेश के किशोरों और बच्चों में आटिज्म, बुद्धिमता का अभाव और आम मानसिक विकारों को लेकर सर्वेकर रही है। इसके तहत निमहांस ने पिथौरागढ़ में नमन नाम से मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की शुरुआत कर दी है।स्वास्थ्य सचिव डा. आर राजेश कुमार ने बताया कि सेलाकुई में स्थित मानसिक स्वास्थ्य संस्थान को उच्चीकृत कर 100 बेड का मानसिक अस्पताल बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। नैनीताल के गेठिया में 100 शैय्यायुक्त मानसिक चिकित्सालय बनाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है।

स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट का किया पर्दाफाश

देहरादून। पुलिस ने स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया है। एसएसपी देहरादून को मिली गोपनीय सूचना पर दून पुलिस ने एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम के साथ मिलर ये कार्यवाही की है। पुलिस ने देह व्यापार में लिप्त एक महिला समेत तीन पुरुषों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस ने मौके से पांच पीड़िताओं का भी रेस्क्यू किया है। मामले का लेकर एसएसपी देहरादून को गोपनीय माध्यम से बसंत विहार क्षेत्र में स्पा सेन्टर की आड़ में देह व्यापार चलने की सूचना मिली थी। जिस पर उनके द्वारा एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और थाना बसंत विहार पुलिस की सयुंक्त टीम गठित कर कार्यवाही के निर्देश दिए गए। गठित टीम ने सोमवार को जीएमएस रोड़ पर स्थित रिलैक्स जोन स्पा एंड सैलून पर चौकिंग की । चेकिंग के दौरान पुलिस अंदर का नजारा देख दंग रह गई। पुलिस को स्पा सेन्टर के दो अलग-अलग कमरो में दो महिला और दो पुरूष आपत्तिजनक स्थिति में मिले। मौके से पुलिस टीम को आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई। इसके साथ ही स्पा सेन्टर के एक अलग कमरे में स्पा सेन्टर में काम कर रही तीन अन्य महिलाएं मौजूद मिली। पुलिस ने स्पा सेन्टर के संचालक उस्मान और मैनेजर का कार्य कर रही महिला अनू को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ करने पर आरोपियों ने पुलिस को बताया कि स्पा सेन्टर में ग्राहको को मसाज के अलावा एक्सट्रा सर्विस देने के लिये उनके द्वार फोन और व्हॉटसएप चौट के माध्यम से ग्राहको से सम्पर्क किया जाता है। स्पा सेन्टर में कार्य करने वाली युवतियों को ज्यादा पैसों का लालच देकर उनसे देह व्यापार करवाया जाता है। पुलिस ने मौके से पांच पीड़ित महिलाओं को रेस्क्यू कर स्पा सेटंर के संचालक, मैनेजर महिला और दो पुरुष कस्टमर को अरेस्ट कर लिया है। पुलिस ने रेस्क्यू की गई सभी पीडित महिलाओं को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। आरोपियों में उस्मान पुत्र मो अली, निवासी हरिद्वारअनु पुत्री सुरेश सिंह, निवासी हरिद्वार, शादाब पुत्र शमशाद खान, निवासी पटेलनगर, इम्माराजी श्रीणिवासुलु पुत्र इम्माराजू, निवासी क्लेमनटाउन शामिल है।

सरकार और प्रशासन आपदा की घड़ी में लोगों के साथ: भट्ट

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री व नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद अजय भट्ट उधम सिंह नगर के खटीमा, शक्ति फार्म, सितारगंज और नानकमत्ता क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान भारी जल भराव क्षेत्र में निरीक्षण करते हुए श्री भट्ट ने अधिकारियों से आपदा पीड़ित लोगों की हर संभव मदद करने के निर्देश दिए। साथ ही लोगों से इस विषम परिस्थिति में धैर्य बनाए रखने की अपील की। भट्ट ने कहा कि भारी मूसलाधार बरसात के बाद हुए जल भराव की स्थिति बेहद अप्रत्याशित थी। सरकार और प्रशासन पूरी तरह जल भराव से प्रभावित लोगों की मदद में जुटा है और नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। मंगलवार को सांसद अजय भट्ट उधम सिंह नगर के भारी बरसात के कारण हुए जल भराव वाले इलाके में स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचे। भट्ट ने खटीमा में विभिन्न इलाकों में स्थलीय निरीक्षण किया, वह बाजार में व्यापारियों से भी मिले, इसके अलावा खटीमा के भूड़ महेलिया,ओम कॉलोनी,अमर कॉलोनी में भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील की। सांसद भट्ट ने कहा कि पूरी सरकार और प्रशासन इस आपदा की घड़ी में लोगों के साथ खड़ा है और हर संभव मदद करने का प्रयास कर रहा है। श्री भट्ट ने कहा कि स्वयं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी पूरे क्षेत्र का हवाई व स्थलीय निरीक्षण कर रहे हैं। साथ ही अधिकारियों को तत्काल लोगों व व्यापारियों सहित अन्य स्थानों के हुए नुकसानों का आंकलन करने को कहा गया है। इसके बाद सांसद भट्ट भारी बरसात में जल भराव के कारण अपने पुत्रों को खो चुके हल्दी क्षेत्र के निवासी राम कृपाल और धर्मेंद्र कुमार के आवास में पहुंचे जहां उन्होंने पानी में डूबने से उनके पुत्रों की दुखद मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया और चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि के चेक वितरित किए। श्री भट्ट ने शक्ति फार्म और नानकमत्ता के कई इलाकों का भी स्थलीय निरीक्षण किया। श्री भट्ट ने कहा कि भारी जल भराव वाले इलाकों में तत्काल एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और सेना सहित जल पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने बचाव राहत कार्य शुरू कर दिए थे और अभी भी लगातार आपदा राहत का काम जारी है। श्री भट्ट ने कहा कि लोगों के घरों में पानी घुसा है। इससे काफी नुकसान हुआ है जिसका आंकलन करने के निर्देश भी स्थानीय अधिकारियों को दिए गए हैं। भट्ट ने लोगों से अपील की है कि वह भी अपने स्तर से जो नुकसान हुआ है उसके बारे में स्थानीय प्रशासन को जानकारी दें ताकि इतने बड़े पैमाने पर हुए नुकसान के दौर में जल्द से जल्द आर्थिक सहायता दी जा सके। सांसद भट्ट ने लोगों को आस्वस्त किया कि सरकार और प्रशासन पूरी तरह उनके साथ है।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-

विजय आयुर्वेद क्लीनिक

पंचकर्म सेन्टर

निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षों का अनुभवः-

पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार,निःसन्तान स्त्री-पुरूष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द,किडनी रोग (डायलिसिस से पहले) लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग

असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।

DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970

DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग

मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)

होटल राजश्री के सामने, गली नं० 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखंड

स्मैक के साथ एक तस्कर दबोचा

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। एसओजी व कोतवाली अल्मोड़ा पुलिस की संयुक्त टीम ने 1 युवक को डेढ़ लाख से अधिक कीमत की 5.22 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी देवेन्द्र पींचा के निर्देश पर कोतवाली अल्मोड़ा पुलिस व एसओजी प्रभारी कुन्दन सिंह रौतेला के नेतृत्व में एसओजी टीम ने संयुक्त चैकिंग के दौरान बेस तिराहा से आगे हल्द्वानी रोड पर एक युवक सन्तोष सिंह रावत पुत्र राजेन्द्र सिंह रावत निवासी धारानौला, अल्मोड़ा के कब्जे से 5.22 ग्राम स्मैक बरामद होने पर अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए कोतवाली अल्मोड़ा में एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत एफआईआर पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई। बरामद स्मैक की कीमत 1 लाख 56 रूपये आंकी गयी है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक दिनेश सिंह परिहार, चौकी प्रभारी धारानौला, कांस्टेबल राजेश भट्ट, कांस्टेबल दीवान सिंह बोरा आदि भी शामिल थे।

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय ।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते ॥

हमारे यहां कुंडली बनाने व दिखवाने एंव वैदिक ब्राह्मणों द्वारा रुद्राभिषेक, दुर्गा सप्तशती पाठ महामृत्युंजय जप, ग्रह शांति, शतचंडी यज्ञ एवं समस्त यज्ञ जप इत्यादि समस्याओं का समाधान के लिये संपर्क करें :

आचार्य गोपाल शास्त्री जी : 7248133444

एक सप्ताह पूर्व लापता युवक घर लौटा

किच्छा(उद संवाददाता)। एक सप्ताह पूर्व लापता कमल सकुशल वापस लौट आया जिससे आरोपियों और पुलिस ने राहत की सांस ली है। गौरतलब है कि सतुया ग्राम से लापता कमल को लेकर

उसके परिजन एवं ग्रामीणों ने पुल भट्टा थाने में गांव के ही पूर्व प्रधान सहित चार लोगों के खिलाफ कमल को गायब करने का प्रार्थना पत्र दिया था। जांच पड़ताल पुलभट्टा पुलिस कर रही थी, कमल के परिजनों एवं ग्रामीणों ने कई बार कोलकाता पुलिस पर कमल को खोजने में हीला हवाली करने का आरोप लगाते हुए डेरा डाला था जिस पर पुलिस द्वारा कमल को विभिन्न स्थानों से ट्रेस करने का प्रयास किया गया किंतु पुलिस यह मन कर चल रही थी कि वह स्वत: ही चला गया है। गत दिवस कमल के वापस लौटने पर पुलिस द्वारा लगाए गए कयास सही साबित हुए बताया जाता है कि पारिवारिक तनाव के कारण कमल घर से चला गया था हालांकि इस संबंध में जब कमल के परिजनों से संपर्क साधा गया तो उनके द्वारा कोई भी जानकारी नहीं दी गई।वहींपुल भट्टा थाना प्रभारी रविंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि कमल पारिवारिक समस्या के चलते घर से चला गया था किंतु परिस्थितियों बस ऐसा प्रतीत हो रहा था कि उसके साथ कुछ घटना घटी है किंतु जांच पड़ताल में पता लगा कि विवाह संबंधी प्रकरण के चलते वह तनाव में था जिस वजह से वह चला गया था किंतु ग्रामीण एवं पारिवारिक लोगों द्वारा संदेह के चलते पुलिस द्वारा सभी संभावनाओं पर जांच की जा रही थी जिस वजह से कमल की मात्र गुमशुदा की दर्ज की गई थी।

बदनाम करने के लिए रचा षडयंत्र: पिंटू

किच्छा। पूर्व प्रधान पिंटू कश्यप ने कमल के वापस लौटने पर राहत की सांस ली है प्रेस को जारी बयान में कहा है कि कमल एवं उसके परिजनों द्वारा उसकी छवि धूमिल कर सामाजिक स्तर पर बदनाम किया है ।जिससे उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं चल रहा है। जारी बयान में कमल को गायब करने वाले आरोपियों का कहना है कि पुलिस कमल एवं उसके परिजनों के खिलाफ भी मानसिक उत्पीड़न एवं पुलिस को गुमराह करने का मुकदमा दर्ज करें। उन्होंने कहा कि वह ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ने के इच्छुक थे उनकी छवि बिगड़ने के लिए कमल के परिजनों एवं विरोधियों द्वारा उनके खिलाफ षड्यंत्र रचा है। उन्होंने पुलिस से मांग की है कि कमल एवं उसके परिजनों तथा उसके खिलाफ षडयंत्र रचने वालों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की जाए पिंटू कश्यप का यह भी कहना था कि यदि कमल के साथ कोई अन्य व्यक्ति भी अनहोनी कर देता तो सारा आरोप हम चारों के नाम दर्ज कर दिया जाता और हमारी छवि खराब कर दी जाती जो की उचित नहीं है।

सब जूनियर बालक नेशनल फुटबॉल टीम का चयन परीक्षण कल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड की सब जूनियर बालक नेशनल फुटबॉल टीम का चयन परीक्षण कल 11 जुलाई को अमेनिटी स्पोर्ट्स अकादमी काशीपुर रोड रूद्रपुर के मैदान पर होगा। उत्तराखंड फुटबॉल संघ के अवैतनिक महासचिव अख्तर अली बताया कि सब जूनियर नेशनल बालक फुटबॉल चौंपियनशिप में भाग लेने के लिए उत्तराखंड फुटबॉल टीम का चयन परीक्षण 11 जुलाई को सुबह 9 बजे से अमेनिटी स्पोर्ट्स अकादमी काशीपुर रोड रूद्रपुर में किया जाएगा। इस चयन परीक्षण में भाग लेने हेतु खिलाड़ियों की आयु सीमा 1 जनवरी 2011 से 31 दिसंबर 2012 तक के ही खिलाड़ी भाग लेंगे। खिलाड़ी चयन परीक्षण में भाग लेने के लिये अपने साथ ओरिजिनल जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड और नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो लेकर आना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त सरकारी एवं मान्यता प्राप्त डॉक्टर से टी डब्लू 3 की जांच करा कर उसकी एक्सरे एमआरआई फिल्म नवीनतम सीडी एवं फिल्म मान्यता प्राप्त लैब से कर कर लाना अनिवार्य है।

आवश्यकता है

अकाउंटेंट टेली- 3 वर्ष का अनुभव
फील्ड ऑफिसर- 3 वर्ष का अनुभव
रिसेप्शनिस्ट- 2 वर्ष का अनुभव
सुपरवाइजर- 3 वर्ष का अनुभव
माली- 3 वर्ष का अनुभव
चपरासी

Mail yr bio data on
Aalishan.uk@gmail.com

-संपर्क करें-
मो.9568300015,17

खटीमा में बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई करने की मांग

एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित किया ज्ञापन

खटीमा (उद संवाददाता)। बाढ़ प्रभावितों को सहायता राशि देने एवं बाढ़ के कारणों की समीक्षा को लेकर नगर पालिका सभागार में उप अधिकारी की मौजूदगी में एक बैठक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारी सदस्य रमेश चंद्र जोशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में समस्त व्यापारियों एवं स्थानीय निवासियों ने खटीमा क्षेत्र में आई बाढ़ से नुकसान की भरपाई के लिए सरकार द्वारा सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग की। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश चंद्र जोशी के नेतृत्व में एकत्रित व्यापारियों ने एक स्वर में व्यापारियों के करोड़ों रुपए के हुए नुकसान की भरपाई के लिए उप जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन प्रेषित किया। जिसमें आर्थिक सहायता के रूप में व्यापारियों की मदद करने की मांग की गई। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश चंद्र जोशी ने कहा कि बाढ़ में दुकानों में और मकान में पानी घुस जाने के कारण व्यापारियों के सामान की लाखों करोड़ों रुपए की क्षति हुई है जिसकी भरपाई के लिए संबंधित विभागों को कार्रवाई करनी चाहिए। उप जिलाधिकारी रविंद्र बिष्ट ने कहा कि बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई के लिए प्रत्येक बाढ़ पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता राशि के रूप में 5000 की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। तहसील के कर्मचारी स्वयं संपूर्ण क्षेत्र का निरीक्षण करके पीड़ित व्यापारियों को किसानों को स्थानीय जनता को सर्वे के आधार पर दैवीय आपदा मत से प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को 5000 की सहायता उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की निर्देश पर जल्द ही स्थानीय पटवारी को जनता के हुए नुकसान के आंकलन की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। बैठक में भाजपा नगर महामंत्री मनोज वाधवा ने बाढ़ के कारणों की जांच की मांग की। कहा कि मात्र दो दिनों की बरसात में पूरा क्षेत्र पानी में डूब गया इसकी जांच कराई जानी चाहिए एवं संबंधित विभाग के खिलाफ लापरवाही बरतने एवं जनता के हुए नुकसान की भरपाई के लिए मुकदमा भी दर्ज किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति ना हो। उन्होंने कहा कि किस विभाग की लापरवाही की वजह से खटीमा क्षेत्र बाढ़ में डूबा है यह जांच का विषय है। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश महामंत्री सतीश गोयल, व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष अरुण सक्सेना, व्यापार मंडल अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, महामंत्री हिमांशु अग्रवाल, शैलेश ढींगरा, मनोज मलिक, ऐश्वर्या अरोड़ा, विजय जायसवाल, जगदीश गुप्ता, फूल कुमार गर्ग, विवेक गुप्ता, प्रिंस गंभीर, दुष्यंत गुंबर, शिबू अग्रवाल, राजीव बंसल, अनिल प्रजापति, अमरजीत सिंह, मनोज गुलाटी, अरविंद गोयल, अफसर खान, हैदर अली, शिवचरण अग्रवाल, गौरव ,कृष्ण कुमार अग्रवाल, विनय गोयल, सुप्री सिंह, रुचि गंभीर, जतिन बत्रा, नीरज कन्याल, रवि अग्रवाल ,अनिल,राकेश अग्रवाल, मालीराम अग्रवाल, अमित अग्रवाल, जगदीश पाठक, प्रकाश कोठारी, मोहित गोयल, पूनम अग्रवाल, सुमित गुंबर, नवीन भट्ट, दिनेश भट्ट, लक्ष्मण भाटिया, जितिन कक्कड़, जफर सलमानी, योगेश जोशी, नीलू अग्रवाल, कन्हैया गुप्ता, ललित गुप्ता, राजेंद्र अग्रवाल, जगदीश भट्ट, सुरेश भट्ट आदि लगभग दो सौ व्यापारी एवं स्थाई जनता उपस्थित रही।

पांच वीर सपूतों को पुष्प चक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर आतंकी हमले में शहीद जवानों के पार्थिव शव पहुंचने पर सीएम धामी सहित वरिष्ठ नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर कठुआ, जम्मू कश्मीर में कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए उत्तराखण्ड के पांच वीर सपूतों के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हमारे अमर शहीदों को सभी देशवासी सदैव अपनी स्मृतियों में जीवंत रखेंगे। आप सैन्यभूमि उत्तराखण्ड के गौरव हैं और हम सभी प्रदेशवासियों को आप पर गर्व है। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में हुए आतंकी हमले में उत्तराखंड के पांच जवानों ने अपना बलिदान दे दिया। जवानों के शहादत से देवभूमि में शोक की लहर है। शाम को शहीदों के पार्थिव शरीर देहरादून पहुंचाए गए। जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर बलिदानियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वहीं, सीएम पुष्कर सिंह धामी और सेना के अधिकारियों ने बलिदानियों के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद जवानों के पार्थिव शरीर उनके घर भेजे जाएंगे।पूर्व सीएम व सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, गणेश जोशी, विधायक बृज भूषण गैरोला, डीएम, एसएसपी ने भी जवानों को श्रद्धांजलि दी।बता दें कि आतंकी हमले में कीर्तिनगर ब्लॉक के थाती डागर निवासी राइफलमैन आदर्श नेगी, रुद्रप्रयाग निवासी नायब सूबेदार आनंद सिंह, लैंसडौन निवासी हवलदार कमल सिंह, टिहरी गढ़वाल निवासी नायक विनोद सिंह, रिखणीखाल निवासी राइफलमैन अनुज नेगी बलिदान दिया।

कायराना आतंकवादी हमले में पांच वीर सपूतों का बलिदान नहीं जाएगा व्यर्थः धामी

देहरादून। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में हुए आतंकी हमले की मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निंदा की है। सीएम धामी ने कहा कि किसी भी कीमत पर आतंकवादी बख्शे नहीं जाएंगे। बता दें कठुआ में हुए आतंकी हमले में उत्तराखंड के पांच जवान शहीद हो गए. इस खबर के बाद से उत्तराखंड में शोक की लहर है। सीएम धामी ने कहा कठुआ, जम्मू कश्मीर में हुए कायराना आतंकी हमले के दौरान उत्तराखण्ड के पांच वीर-जवान वीरगति को प्राप्त हो गए। यह हम सभी प्रदेशवासियों के लिए अत्यंत पीड़ा का क्षण है क्योंकि हमने भाई और बेटा भी खोया है। हमारे रणबाँकुरों ने उत्तराखण्ड की समृद्ध सैन्य परंपरा का पालन करते हुए मां भारती के चरणों में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। सीएम धामी ने कहा मां भारती की रक्षा करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध शहीदों का यह सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। इस कायरतापूर्ण हमले के दोषी, मानवता के दुश्मन आतंकवादी किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे और इनको पनाह देने वाले लोगों को भी इसके परिणाम भुगतने होंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा सैन्यभूमि उत्तराखण्ड वीर सैनिकों को जन्म देने वाली भूमि है। यहां के जवानों ने हमेशा से ही मां भारती की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देकर अपने राष्ट्रधर्म का निर्वहन किया है। शहीद हुए सैनिकों का बलिदान हम किसी भी हालत में व्यर्थ नहीं जाने देंगे।

पांच जवानों की शहादत पर राज्यपाल ने दी श्रद्धांजलि

देहरादून(उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकवादी हमले में उत्तराखंड के पांच जवानों के शहीद होने पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल ने वीर शहीदों

की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उन्होंने शहीदों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवदेनाएं व्यक्त की हैं। राज्यपाल ने सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें नमन किया है। उन्होंने कहा कि हमारे जांबाज जवानों ने उत्तराखंड की सैन्य परंपरा का पालन करते हुए देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इन जवानों ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है, और उनके इस बलिदान को शब्दों में बयां करना असंभव है।

आतंकी हमले में नायब सूबेदार आनंद सिंह रावत की शहादत से परिजन हुए गमगीन

रूद्रप्रयाग। जखोली विकासखंड के कांडा-भरदार गांव निवासी नायब सूबेदार आनंद सिंह रावत (41) जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में हुए आतंकी हमले में बलिदान हो गए हैं। गांव में बूढ़ी मां का बेटे के बलिदान होने की खबर से रो-रोकर बुरा हाल है। देहरादून से आनंद की पत्नी और उनके दोनों बेटों के गांव पहुंचते ही वह उनसे लिपट कर फूट-फूटकर रोने लगीं। कांडा गांव के स्व. प्रेम सिंह रावत व मोली देवी की चार संतानों में दूसरे नंबर के आनंद सिंह रावत वर्ष 2001 में सेना में भर्ती हुए थे। 22 गढ़वाल राइफल में नायब सूबेदार के पद पर वह इन दिनों कठुवा में तैनात थे। आनंद के बलिदान होने की खबर सुनने के बाद उनकी पत्नी विजया देवी और बेटे मनीष व अंशुल का रो-रोकर बुरा हाल है। मंगलवार को ही आनंद के बड़े भाई कुंदन सिंह बच्चों को देहरादून से गांव लेकर आए हैं। कांडा गांव में मातम पसरा हुआ है। रुद्रप्रयाग विस के विधायक भरत सिंह

चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह, ब्लॉक प्रमुख प्रदीप थपलियाल, ज्येष्ठ प्रमुख कविंद्र सिंधवाल, सीडीओ डॉ. जीएस खाती, एडीएम एसएस राणा, एसडीएम भगत सिंह फोनिया ने इस घटना पर दुख जताया है। बलिदानी नायब सूबेदार आनंद सिंह रावत इस वर्ष फरवरी में छुट्टी पर देहरादून आए थे। इसके बाद वह अपने परिवार के साथ कुछ दिन के लिए गांव भी पहुंचे थे। तब, उन्होंने घर-घर पहुंचकर सभी लोगों से मुलाकात की उनकी कुशलक्षेम पूछी थी। यही नहीं, स्कूली बच्चों से बातचीत करते हुए उन्हें पढ़ाई व कॅरिअर के प्रति गंभीर होने की सलाह भी दी थी। बलिदानी की मां अपने बेटे की बीते दिनों की बातों के साथ ही समय-समय पर फोन पर होती बातों को याद कर रही हैं। कुंदन सिंह ने बताया कि उनकी अपने भाई से सप्ताह में दो-तीन बार बातचीत हो जाती थी और देहरादून में भी बच्चों से निरंतर बात होती थी। सोमवार रात 8 बजे उन्हें आनंद के बलिदान की खबर मिली। बताया, कि कुछ वर्ष पूर्व ही आनंद से अपने परिवार को देहरादून में शिफ्ट किया था। लेकिन वह जब भी वह छुट्टी आता था, गांव जरूर आता था।

विनोद सिंह भंडारी की शहादत से चार साल का बेटा और तीन माह की बेटी हुई बेसहारा

टिहरी। जम्मू कश्मीर के कठुआ में आतंकवादियों से लोहा लेते हुए अपना बलिदान देने वाले अठुरवाला निवासी विनोद भंडारी (33) पुत्र बीर सिंह भंडारी के घर में जैसे ही खबर मिली तो कोहराम मच गया। उनके माता-पिता, दादी, तीन बहनों और अन्य परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। उनका पार्थिव शरीर आज शाम तक अन्य शहीदों के साथ एयरपोर्ट पहुंचने की संभावनाएहैं। नायक विनोद सिंह के पिता बीर सिंह भंडारी ने कहा कि वह खुद भी फौज में रहे हैं। उन्हें फक्र है कि उनका बेटा देश के काम आया है, लेकिन बेटे के छोटे बच्चों को देखकर वो खुद पर काबू नहीं रख पा रहे हैं। शहीद विनोद तीन बहनों के अकेले भाई थे। उनका एक चार साल का बेटा और एक तीन माह की बेटी है। बेटी के जन्म पर वो घर पर ही थे। करीब दो माह पहले ही वो वापस गए थे। विनोद सिंह मूल रूप से जाखणीधार, टिहरी के थे।क्षेत्रीय विधायक बृजभूषण गैरोला व अन्य भाजपाई और

आसपास के लोग नायक विनोद सिंह के घर पहुंचे। विधायक ने कहा कि उत्तराखंड वीर भूमि है। शहीदों के बलिदान को याद रखा जाएगा। और विनोद भंडारी के परिवार की हर संभव मदद की जाएगी। सोमवार को जम्मू के कठुआ में आतंकियों द्वारा किए गए हमले में उत्तराखण्ड के पांच जवान शहीद हो गए थे। आतंकी हमले में जनपद रुद्रप्रयाग निवासी नायब सूबेदार आनंद सिंह रावत, जनपद पौड़ी निवासी हवलदार कमल सिंह, जनपद टिहरी गढ़वाल निवासी नायक विनोद सिंह, जनपद पौड़ी निवासी राइफलमैन अनुज नेगी, जनपद टिहरी गढ़वाल निवासी आदर्श नेगी ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

गर्मियों की छुट्टियों में वह घर आए थे राइफलमैन अनुज नेगी

कोटद्वार। कठुआ में बलिदान हुए उत्तराखंड के रिखणीखाल के डोबरिया (पोस्ट धामधार) निवासी राइफलमैन अनुज नेगी घर के इकलौते बेटे थे। उनकी एक बहन भी है। उनके पिता भारत सिंह वन विभाग में दैनिक कर्मचारी थे। मां सरिता देवी गृहिणी हैं। अनुज का आठ माह पूर्व बीते नवंबर में विवाह हुआ था। गर्मियों की छुट्टियों में वह घर आए थे और मई के अंत में ड्यूटी पर लौटते समय सर्दियों में फिर से आने का वादा करके गए थे। अनुज के बलिदान होने की सूचना से पूरे गांव में शोक छाया

है। जिला पंचायत सदस्य विनयपाल सिंह नेगी ने बताया कि लोग उनके परिजनों को ढाढ़स बंधाने के लिए गांव पहुंचने लगे हैं। गांव व घर में मातम का छाया है।राजस्व उपनिरीक्षक यशवंत सिंह ने बताया कि अनुज नेगी के बलिदान की खबर सुनकर पिता भारत सिंह, माता सरिता देवी, पत्नी सीमा देवी का रो-रो कर बुरा हाल है। घर में उनकी बहन अंजलि का भी बुरा हाल है। उनके बलिदान होने की खबर से कोटद्वार से लेकर रिखणीखाल तक शोक छा गया। उनका पार्थिव शरीर मंगलवार शाम को जौलीग्रांट से सेना के हेलीकाप्टर से कोटद्वार पहुंच गया है। यहां ग्रास्टनगंज हेलीपेड पर लैंसडौन के विधायक दिलीप रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष बीरेंद्र सिंह रावत, एएसपी जया बलोनी, सीओ विभव सैनी, कोतवाल मणिभूषण श्रीवास्तव समेत सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से बलिदानियों को को पुष्पांजलि दी।

गश्त पर जाने से पहले हवलदार कमल सिंह ने पत्नी से की थी वीडियो कॉल

कोटद्वार। उत्तराखंड में कोटद्वार रिखणीखाल के नौदानू (पापड़ी) ग्राम निवासी हवलदार कमल सिंह (35) पुत्र स्व. केशर सिंह की अपनी पत्नी रजनी देवी से सोमवार दोपहर अंतिम बार वीडियो कॉल पर बात हुई थी। तब वह गश्त पर निकलने की बात कह रहे थे। कमल की पत्नी रजनी अपनी दो बेटियों 10 साल की अंशिका व चार साल की अनिका के साथ कोटद्वार में रह रही हैं। दोनों बेटियों की पढ़ाई की खातिर इसी साल कमल ने कोटद्वार के पदमपुर सुखरो में किराये पर लिया था। ड्यूटी पर जाने से पहले जून में ही कमल अपनी पत्नी और बेटियों से वादा करके गए थे कि वह दीपावली पर उनके पास आएंगे, लेकिन आई तो उनके बलिदान की खबर। परिजनों ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब एक बजे कमल सिंह की अपनी पत्नी से वीडियो कॉल पर बात हुई थी। जिसमें उन्होंने ड्यूटी व गश्त के लिए जाने की बात कही थी। वह 22 गढ़वाल राइफल में तैनात थे। उन्हें देर रात कमल के बलिदान होने की सूचना मिली। तभी से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। नाते रिश्तेदारों ने किसी तरह उन्हें संभाला और मंगलवार सुबह उन्हें लेकर पैतृक गांव पापड़ी चले गए। परिजनों के अनुसार कमल सिंह बीते 20 जून को गांव में संपन्न हुई पूजा में हिस्सा लेकर कुछ दिन पहले ही ड्यूटी पर लौटे थे। वह घर का इकलौते बेटे थे। उनकी तीन बहनें हैं। बलिदानी की तीनों बहनों की शादी हो चुकी है। कमल के चाचा भोपाल सिंह बताते हैं कि कमल के पिता का देहांत काफी साल पहले हो गया था। घर पर उनकी माता और दादी रहती हैं।

2018 में गढ़वाल राईफल्स में भर्ती हुए थे आदर्श सिंह नेगी

देहरादून। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में हुए आतंकी हमले में कीर्तिनगर ब्लॉक के थाती डागर निवासी राइफलमैन आदर्श नेगी के बलिदान से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। 26 वर्षीय आदर्श 2018 में सेना में भर्ती हुए थे। उनके पिता दलबीर सिंह नेगी गांव में ही खेतीबाड़ी का काम करते हैं। आदर्श की 12वीं तक की पढ़ाई राजकीय इंटर कालेज पिपलीधार से हुई। 2018 में वह गढ़वाल राइफल्स में भर्ती हो गए। उस दौरान वह गढ़वाल विश्वविद्यालय से बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र थे। आदर्श तीन भाई-बहन में सबसे

छोटे थे। सोमवार देर रात उनके बलिदान होने की खबर परिजनों को मिली है। सोमवार को जम्मू-कश्मीर के कठुआ में हुए आतंकी हमले में कीर्तिनगर ब्लॉक के थाती डागर निवासी राइफलमैन आदर्श नेगी शहीद हो गए। आदर्श की उम्र मात्र 26 साल थी। इतनी छोटी सी उम्र में ही उन्होंने देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। खबर मिलने के बाद से ही आदर्श के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

सीएम ने दिये बाढ़ से हुए नुकसान का आंकलन करने के निर्देश

खटीमा(उद संवाददाता)। सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अतिवृष्टि से हुए जलभराव क्षेत्र चकरपुर, अमाऊं, खटीमा बाजार, रेलवे क्रासिंग, आवास विकास, पकड़िया आदि क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रभावित लोगों से वार्ता कर हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के साथ है, बाढ़ आपदा प्रभावित परिवारों को हर संभव त्वरित सहायता दी जायेगी। उन्होंने मौके पर जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों को जनता के सभी प्रकार के हुए नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने आपदा प्रभावितों के रहने-खाने व दवाओं की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही आपदा के कारण हुए फसलों की हुई क्षति का आकलन करते हुए पीड़ितों को मुआवजा जल्द से जल्द वितरित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री धामी ने जनपद के प्रभारी मंत्री गणेश जोशी, सांसद अजय भट्ट, अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ मंडलायुक्त दीपक रावत, डीआईजी डा. योगेंद्र सिंह रावत, जिलाधिकारी उदय राज सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा मंजुनाथ टीसी, मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार सहित विभागीय अधिकारियों के साथ चकरपुर क्षेत्र व वनखंडी महादेव मन्दिर परिसर से संचालित अस्थायी राहत शिविर का निरीक्षण किया व राहत शिविर में विस्थापित लोगों से वार्ता की व बाढ़ जलभराव से हुए नुकसान व उत्पन्न समस्याओं के निस्तारण के निर्देश मौके पर अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने राहत शिविर में मौजूद लोगों को भोजन वितरित किया व कल से मिल रहे भोजन के गुणवत्ता की जानकारी ली। जनता ने बताया कि गत दिवस से राहत शिविर में शुद्ध-ताजा भोजन व शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, साथ ही चाय व बच्चों को दूध भी उपलब्ध कराया गया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ बाढ़, जलभराव प्रभावित क्षेत्र आमऊं वार्ड नं 7, पूर्णागिरी कालोनी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर पालिका खटीमा को जल भराव क्षेत्रों को सही करने व कॉलोनी मार्ग को ठीक कराने के निर्देश दिए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बाजार होते हुए आवास विकास, पकड़िया क्षेत्र में टूटी सड़कों व नालों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आपदा से हुए परिसंपत्तियों का शीघ्र-अतिशीघ्र सर्वे आकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए व जनता से वार्तालाप कर उनकी समस्याएं भी जानी। सीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि किसी भी आपदा को रोका नहीं जा सकता किंतु इसके होने वाले प्रभावों को न्यून करना हम सबका दायित्व है। इसके लिए सभी अधिकारी अपने अपने क्षेत्रों में निगरानी बनाए रखे और निरंतर मॉनिटरिंग करें। किसी भी क्षेत्र से सूचना प्राप्त होते ही तत्काल टीम को भेजकर यथासंभव राहत बचाव कार्य शुरू करे। इस प्रकार का मैकेनिज्म हो कि प्रभावितों को मौके पर ही राहत सामग्री और राशि दी जाए। आवश्यकता पड़ने पर राहत शिविरों का संचालन हो इसके लिए स्थानों को चिन्हित कर लिया जाए। हमारा प्रयास रहेगा की यथा शीघ्र आम जन के जीवन को सामान्य किया जाए। मुख्यमंत्री को जिलाधिकारी ने बताया कि राहत कैम्प लगाए गए हैं, प्रभावितों को पका हुआ भोजन व पानी आदि उपलब्ध कराया जा रहा है साथ ही कच्चा फूड पैकेट भी वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अहेतुक सहायता राशि वितरित की जा रही है, मुआवजा राशि भी शीघ्र वितरित की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर मंडलायुक्त दीपक रावत ने तत्काल अधिकारियों की बैठक लेते हुए अधिकारियों को आपदा पीड़ितों को सहायता राशि उपलब्ध कराने के साथ ही आपदा से हुए परिसंपत्तियों का आकलन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।निरीक्षण के दौरान जिलाध्यक्ष भाजपा कमल जिंदल, जिला महामंत्री भाजपा अमित नारंग, प्रभागीय वनाधिकारी हिमांशु बागरी, अपर जिलाधिकारी अशोक जोशी, पंकज उपाध्य, सीएमओ मनोज शर्मा, उपजिलाधिकारी रविन्द्र बिष्ट, निदेशक मंडी बी एस चलाल, मुख्य अभियंता सिंचाई संजय शुक्ला, अधिशासी अभियंता ए एस नेगी, परियोजना निदेशक अजय सिंह, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ श्रद्धालुओं का जत्था

किच्छा (उद संवाददाता)। अमरनाथ यात्रा के लिए 11 सदस्यों के जत्थे को निवर्तमान नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष राजकुमार बजाज ने रवाना किया। निवर्तमान नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष राजकुमार बजाज ने बताया कि बाबा बर्फानी के दर्शन हेतु 11 सदस्यों का एक दल अमरनाथ यात्रा हेतु रवाना किया गया जो यहां से ट्रेन द्वारा जम्मू पहुंचेगा जहां से जत्था पैदल यात्रा कर अमरनाथ पहुंचकर बाबा के दर्शन करेगा। उन्होंने बताया कि यह यात्रा पूरे देश व क्षेत्र की जनता के लिए सुख समृद्धि एवं शांति की कामना लिए हुए बाबा के दर्शन करेगा । यात्रा पर जाने वालों में मुख्य रूप से विकास, विशाल यादव, मुकेश यादव,कुमार राजकुमार यादव, अज्जू, विजय कुमार, आकाश सक्सेना, ऋषि बजाज, मुख्य रूप से शामिल हैं।

प्रभारी मंत्री ने जाना बाढ़ प्रभावितों का हाल

सितारगंज/खटीमा। जनपद ऊधमसिंह नगर प्रभारी मंत्री एवं सरकार में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने ऊधमसिंहनगर के सितारगंज के शक्ति फार्म, प्रतापपुर तथा खटीमा, चकरपुर, अरविंद नगर सहित प्रभावित विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर अतिवृष्टि के कारण हुए जलभराव तथा हानि का स्थलीय निरीक्षण कर आपदा प्रभावित परिवारों के भेंटकर उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को जलभराव की स्थिति से निपटने तथा प्रभावितों के लिए राहत सामग्री सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी आपदा प्रभावितों के रहने, खाने व दवाओं की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आपदा के कारण पशुओं तथा फसलों को हुई क्षति का आकलन कर मुआवजा पीड़ितों को जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके उपरांत मंत्री गणेश जोशी ने सांसद भट्ट के साथ प्रभावित क्षेत्र खटीमा के भूड़ महोलिया, विकास कॉलोनी सहित विभिन्न क्षेत्रों में आपदा की स्थिति जानी। इसके अतिरिक्त मंत्री जोशी ने खटीमा के अमांऊ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा भी किया। मंत्री गणेश जोशी ने जनपद में आपदा के दौरान जिला प्रशासन तथा एनडीआरएफ, एसडीआरएफ द्वारा शीघ्रता से हुए राहत बचाव कार्य के लिए प्रशासन के अधिकारियों कर्मचारियों तत्परता से रेस्क्यू करने के लिए बधाई भी दी। उन्होंने कहा पुष्कर सिंह धामी सरकार आपदा की इस स्थिति में प्रभावितों के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान करने हेतु प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

कार्यशाला में अधिवक्ताओं को दी नए कानूनों की जानकारी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उच्च न्यायालय नैनीताल के आदेशानुसार जिला न्यायालय उधम सिंह नगर के सभागार में नये कानूनों के सम्बन्ध में पांच दिवासीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला आगामी 15 जुलाई तक जारी रहेगी। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिला न्यायाधीश उधम सिंह नगर सिकन्द कुमार त्यागी एवं जिला एसोएिशयन के अध्यक्ष दिवाकर पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यशाला में जिला न्यायाधीश द्वारा अपने सम्बोधन में नये कानून के बारे विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी। जिसमें प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में सिकन्द कुमार त्यागी जिला न्यायाधीश द्वारा भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बारे दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जिला बार के अध्यक्ष दिवाकर पाण्डेय द्वारा भी अपने सम्बोधन में उच्च न्यायालय का अभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी कार्यशालाओ का आयोजन समय समय पर किया जाना चाहिए। जिससे नये अधिवक्ताओ को नये कानून के बारे मे जानकारी प्राप्त कर मामलो की पूखता पैरवी कर सकेगे। कार्यशाला का आयोजन कर अधिवक्ता एंव वादकारी हित मे है। कार्यशाला को उच्च न्यायालय कार्यक्रम न्यायिक अधिकारीगण आशुतोष कुमार मिश्र, प्रथम अपर जिला जज, श्रीमती मीना देउपा द्वितीय अपर जिला न्यायाधीश, मुकेश चन्द्र आर्य, तृतीय अपर जिला न्यायाधीश, अश्वनी गौड़ अपर जिला न्यायाधीश एफटीसी, श्रीमती संगीता रानी अपर जिला न्यायाधीश अपर जिला न्यायाधीश / एफटीएससी ने संबोधित किया। कार्यकक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव योगेन्द्र कुमार सागर द्वारा किया गया। जिसमे जजशिप से श्रीमति अनिता गुन्जयाल मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, हेमन्त सिंह, सिविल जज सी.डि., श्रीमती इन्दु शर्मा, श्रीमती श्वेता पाण्डेय, श्रीमति नाजिश कलीम, नदीम अहमद, श्रीमति शिखा भण्डारी, रिजवान अन्सारी, विवेक राणा, श्रीमति अकमल, शम्भुनाथ सेठवाल, जिला बार एसोएिशन के कृष्णा चन्द्र, विकास तिवारी, आशीष त्रिपाठी, पावेल कठायत, गौरव मिड्ढा, परविन्दर सिंह, संजीत बढई, जयप्रकाश गंगवार तथा वरिष्ठ अधिवक्ता डीडी गुणवन्त, खडक सिंह, सूरज सक्सेना, एनएसधामी, सुशीला मेहता, पीयूष पन्त, सुरेन्द्र गिरधर, गुरबाज सिंह एंव व्यवस्थापक मे जिला नाजरात से केन्द्रीय नाजिर आशीष श्रीवास्तव, सहायक नाजिर भगवान सिंह, एंव अमित गुप्ता तथा जिला बार के वरिष्ट एंव कनिष्ट अधिवक्तागण मौजूद थे। जिनके द्वारा उक्त कार्यशाला का लाभ लिया गया। द्वितीय सत्र में प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय ओम कुमार द्वारा, तृतीय सत्र में सिविल जज सी.डी. हेमन्त सिंह, व चौथे सत्र में अपर जिला न्यायाधीश एफटीएससी, श्रीमती संगीता रानी द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा।

मच्छर जनित रोगों से बचाव को किया दवा का छिड़काव

हल्द्वानी (उद संवाददाता) शहर व ग्रामीण क्षेत्रों मे डेंगू, मलेरिया आदि मच्छर जनित बीमारियों से बचाव एवं रोकथाम हेतु जलभराव क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव साथ ही लोगों को दवाईयां मुहैया कराई गई। सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी ने कहा कि विगत दिनों अत्यधिक वर्षा के कारण शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के साथ ही प्रेमपुर लोशज्ञानी क्षेत्र में अत्यधिक जलभराव होने के कारण क्षेत्र में नगर निगम की टीम द्वारा ब्लीचिंग पाउडर का छिडकाव कराया गया वही स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा दवाईयों का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों को जलजनित रोग एवं वेक्टर जनित रोग की जानकारियां दी तथा इनके बचाव के बारे में बताया गया। श्री बाजपेयी ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि डेंगू, मलेरिया आदि मच्छर जनित बीमारियों से बचाव एवं रोकथाम हेतु सावधानियां जरूरी है। इसलिए घर केआंगन,लॉन, छतों,कूलर, गमले की ट्रे, खुली पानी की टंकी, आदि की नियमित सफाई करें। बुखार होने पर चिकित्सकीय परामर्श अवश्य लें।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

बारिश और जलभराव की मुसीबतें

मानसून के सीजन में भारी बारिश से हो रहे जलभराव और उससे शहरों का अस्त-व्यस्त जीवन अब हर वर्ष का स्थायी दृश्य हो गया है, मगर इसके मद्देनजर सरकार को पूर्व तैयारी करने की जरूरत शायद कभी महसूस नहीं होती। सामान्य से थोड़ा अधिक पानी बरसते ही शहरों की सड़कें लबालब हो जाती हैं, मुहल्ले तालाबों में तब्दील हो जाते हैं। लोगों का दफ्तर, स्कूल, व्यवसाय आदि के लिए निकलना मुश्किल हो जाता है। खासकर मुंबई के लोगों को हर वर्ष बरसात में ऐसी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। अभी बरसात का मौसम शुरू ही हुआ है और मुंबई में सड़कों पर पानी भर गया, रेल की पटरियां डूब गईं, कई रेलगाड़ियां रद्द करनी पड़ीं, बसें रुक गईं, कई दफ्तरों और स्कूलों में कामकाज बंद करना पड़ गया। यहां तक कि सोमवार को महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों का कामकाज स्थगित करना पड़ गया।भारी बारिश की वजह से समंदर में ज्वार उठने के संकेत दे दिए गए। बरसात का असर रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली चीजों पर भी पड़ता है। अक्सर इस मौसम में फलों, सब्जियों के दाम इसलिए आसमान छूने लगते हैं कि माल ढुलाई में बाधा आती है। जिन इलाकों में भारी बरसात होती है, वहां फसलें चौपट हो जातीं और सब्जियों का उत्पादन घट जाता है। दिल्ली में बारिश की वजह से थोक मंडियों में सब्जियां नहीं पहुंच पाने से लोगों को ऊंची कीमत चुकानी पड़ रही है। हर वर्ष बरसात में जलभराव को लेकर विधानसभाओं में सवाल उठाए जाते हैं, लोग सड़कों पर उतर कर आंदोलन करते देखे जाते हैं। हर बार आश्वासन दिया जाता है कि जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त कर ली जाएगी, मगर स्थिति फिर भी जस की तस बनी रहती है। पिछले वर्ष दिल्ली में बाढ़ आई और यमुना उफन कर लाल किले तक पहुंच गई, तो काफी शोर मचा था। तब दिल्ली सरकार ने कहा था कि हरियाणा ने बिना चेतावनी दिए पानी छोड़ दिया, इसलिए यह समस्या उत्पन्न हुई। इस वर्ष दावा किया गया था कि पिछले वर्ष जैसी समस्या नहीं आएगी। मगर पहली ही बारिश में जिस तरह कई इलाकों में जलजमाव देखा गया, उससे लगता नहीं कि समस्या का समाधान हो गया है। शहरों में जलजमाव की बड़ी वजह बरसात से पहले नालों की समुचित सफाई न होना पाना है। जिन नालों और नालियों की गाद निकाली जाती है, उसे किनारे पर छोड़ दिया जाता है, जो बरसाती पानी के साथ बह कर फिर से नालियों में भर जाता है। कई जगहों पर जलनिकासी का समुचित प्रबंध न किया जाना भी बड़ी वजह है। जिन इलाकों में अनियोजित तरीके से बस्तियां बसा दी गई हैं, वहां जलनिकासी के इंतजाम नहीं किए गए। जो नालियां बनी भी हैं उनकी पर्याप्त क्षमता नहीं है, जिसके चलते सामान्य से जरा भी अधिक पानी बरसता है, तो उसे निकलने में काफी वक्त लग जाता है। समझना मुश्किल है कि शहरों की नगर पालिकाएं हर वर्ष इस समस्या का सामना करती हैं, फिर भी वे कोई स्थायी समाधान निकालने का प्रयास क्यों नहीं करतीं। महाराष्ट्र विधानसभा में जलभराव को लेकर हंगामा हुआ, दिल्ली में भी इसे लेकर सियासी रस्साकशी हई। जब-जब समस्या गंभीर होगी, सब इसे राजनीतिक रंग देने का प्रयास करेंगे। मगर जलभराव जैसी समस्या का समाधान इतना जटिल क्यों बना हुआ है, यह समझ से परे है। आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर भी लापरवाही बरती जाती है। इसका नतीजा हर वर्ष लोगों को जलजनित बीमारियों के रूप में भी भुगतना पड़ता है।

नेपाल में नया गठबंधन

पड़ोसी मुल्क नेपाल में सियासी लुका-छिपी का खेल बरसों-बरस से जारी है। हिमालयी राष्ट्र के लोकतंत्र का दुर्भाग्य यह है, शटल कॉक की मानिंद सियासत अस्थिर है। इधर सोलह वर्षों का सियासी लेखा-जोखा टटोला जाए तो नेपाल में पुष्प कमल दहल प्रचंड की अल्पमत सरकार को हटाकर शेर बहादुर देउबा और केपी शर्मा ओली का नया गठबंधन अब सत्तारूढ़ होने की तैयारी में है। प्रचंड सरकार मे शामिल सीपीएन-यूएमएल के आठ मंत्रियों ने इस्तीफा देकर अपनी मंशा साफ कर दी है, वे अब इस सरकार का संवैधानिक हिस्सा नहीं हैं। इससे पूर्व नेपाली कांग्रेस के मुखिया शेर बहादुर देउबा और सीपीएन-यूएमएल के सुप्रीमो केपी शर्मा ओली ने मिलकर नेपाल में बारी-बारी से सरकार बनाने का फैसला लिया है। ओली गुट के वजीरों के सामूहिक त्यागपत्र के बाद नेपाल में 2022 से काबिज श्री प्रचंड की सरकार अलविदा होने की स्थिति में है। नेपाल में नया गठबंधन कब काबिज होगा, भारत समेत पूरी दुनिया की नजर इस पर रहेगी। यह राजनीतिक बदलाव चंद घंटों या चंद दिनों में संभव है, क्योंकि प्रधानमंत्री प्रचंड का साफ कहना है, वह इस्तीफा नहीं देंगे, जबकि प्रचंड गुट के मुताबिक प्रचंड सरकार विश्वास मत का सामना करेगी। नेपाली संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, नेपाली संसद में बहुमत होने वाले प्रधानमंत्री को 30 दिनों के भीतर बहुमत सिद्ध करना होता है। नेपाली संविधान के अनुच्छेद 76(2) के अनुसार तत्कालीन राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने 25 दिसंबर 2022 को सीपीएन-मायोवादी सेंटर के मुखिया पुष्प कमल दहल प्रचंड को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। प्रचंड ने 26 दिसंबर को नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। यह महज संयोग था या इसके भी कुछ सियासी मायने हैं, यह सियासी टीकाकारों के मूल्यांकन का विषय है। इस दिन आधुनिक चीन के संस्थापक माओत्से तुंग की 130वीं जयंती थी। चीन ने प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने पर सबसे पहले न केवल खुशी का इजहार किया, बल्कि लंबे समय से जारी सीमा विवाद को निपटाकर उन्हें रिटर्न गिफ्ट भी दे दिया। संसद में तीसरी सबसे

बड़ी पार्टी के नेता के तौर पर उभरे प्रचंड को इस पद पर गंभीर दावेदार नहीं माना जा रहा था। इस चुनाव में नेपाली कांग्रेस 89 सीटों पर कब्जा करके सबसे बड़ी पार्टी बन गयी। नेपाल में 276 सीटों वाले सदन में बहुमत के लिए 138 सीटें हासिल करना अनिवार्य है। सीपीएन-यूएमएल के खाते में 78 सीटें आई, जबकि प्रचंड की पार्टी को महज 32 सीटों पर ही सफलता मिली। केवल 32 सीट जीतने के बावजूद प्रचंड गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री के पद पर काबिज हो गए। प्रचंड को नेपाल के सबसे बड़े विजयी दल- नेपाली कांग्रेस का साथ मिल गया। यह बेमेल गठबंधन अंततः 15 मार्च 2022 को टूट गया। सियासत के चतुर खिलाड़ी श्री प्रचंड ओली की पार्टी के बूते सरकार बचाने में सफल रहे। करीब-करीब 02 साल में यह तीसरी बार सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक नई सरकार में डेढ़ साल तक केपी शर्मा ओली पीएम बनेंगे, जबकि बचे हुए कार्यकाल पर शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री बनेंगे। पेंडुलम की मानिंद नेपाली सियासी दंगल में हार न मानने वाले प्रधानमंत्री श्री प्रचंड अंत तक सरकार बचाने की जुगत में रहे। उन्होंने इस सियासी संक्रमण काल से उभरने के लिए पहली जुलाई को आपात बैठक बुलाई, लेकिन राजनीतिक हवा को भांपते हुए अंतिम क्षणों में इस बैठक को निरस्त कर दिया। अंततः गठबंधन सरकार को बचाने की सारी कवायद विफल हो गई। इस्तीफा न देने पर अड़े हताश एवम् निराश प्रचंड को नेपाली कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण सलाह देते हैं, बदलते सियासी परिदृश्य के चलते अल्पमत में आई प्रचंड सरकार को खुद इस्तीफा देने की पहल करनी चाहिए, ताकि नेपाल में नए गठबंधन की सरकार स्थापित हो सके। नेपाल में यूं तो संसदीय लोकतंत्र का शंखनाद 1951 में हो गया था, लेकिन इसे नेपाली राजशाही ने 1960 और 2005 में निर्लंबित कर दिया। 2008 में धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की स्थापना के साथ ही दुनिया की अंतिम राजशाही का अंत हो गया। 2015 में नया संविधान लागू हुआ तो नेपाल संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया। यहां का संविधान बहुजातीय, बहुभाषी, बहुधार्मिक, बहुसांस्कृतिक विशेषताओं से लबरेज है। कहने को तो, नेपाल और भारत में रोटी-बेटी का संबंध है। सियासी भाषा में नेपाल को भारत का लघु भ्राता भी कहा जाता है, लेकिन नेपाल की आयु भारत से दो गुना से भी ज्यादा है। दस्तावेजों के मुताबिक नेपाल का आधिकारिक रूप से गठन 25 सितंबर 1768 में हुआ था। भारत के मानिंद नेपाल कभी भी उपनिवेशिक बंधन में नहीं रहा है, जबकि भारत का आधिकारिक गठन 15 अगस्त 1947 में हुआ। नेपाल भारत से 178 वर्ष, 10 महीने और 21 दिन बड़ा है। किंग्स कॉलेज, लंदन में किंग्स इंडिया इस्टीट्यूट के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर एवम् आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन थिंक टेंक में उपाध्यक्ष (अध्ययन एवम् विदेश नीति) श्री हर्ष वी. पंत नेपाल में सियासी करवट पर कहते हैं, सीपीएन-यूएमएल और नेपाली कांग्रेस वैचारिक रूप से अलग हैं। मुझे नहीं लगता, ऐसी गठबंधन सरकार लंबे समय तक टिकाऊ होगी। इसमें कोई शक नहीं, यह विवशताओं का गठबंधन है। नेपाल की माली हालत को देखते हुए मध्यावधि चुनाव मुफीद नहीं रहेगा। अच्छा रहेगा, यह गठबंधन कार्यकाल मुकम्मल करे। नए गठबंधन के सामने दो पड़ोसी देश-चीन के बीच संबंधों को संतुलित रखना एक बड़ी चुनौती होगी। ओली को चीन समर्थक माना जाता है, जबकि नेपाली कांग्रेस मध्यमार्गी कहलाती है। नेपाली कांग्रेस पार्टी के भारत के संग दशकों पुराने रिश्ते हैं। इस पार्टी की स्थापना 1947 में भारतीय शहर कोलकाता में हुई थी। नेपाली कांग्रेस और इसके मुखिया शेर बहादुर देउबा भारत के हितैषी माने जाते हैं। इसमें कोई शक नहीं, ओली की अब की सियासत भारत विरोधी और चीन समर्थक रही है। ऐसे में भारतीय शासकों को घबराने की कतई जरूरत नहीं है, क्योंकि इस नए गठबंधन में नेपाली कांग्रेस बड़ी ताकत के रूप में शामिल है। उम्मीद की जाती है, के पी शर्मा ओली चाहकर भी भारत का फिलहाल कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। ओली की विषैली भाषा और चीन परस्त नीतियां आए दिन अपना फन नहीं उठा पाएंगी।

प्रो. श्याम सुंदर भाटिया (लेखक सीनियर जर्नलिस्ट और रिसर्च स्कॉलर हैं)

साहित्यकारों को मिलेगा लाईफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार

देहरादून(उद संवाददाता)। कैबिनेट मंत्री श्री सुबोध उनियाल की अध्यक्षता में आज सचिवालय में उत्तराखण्ड भाषा संस्थान, देहरादून की साधारण सभा एवं प्रबन्ध कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुयी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हमें राजभाषा के साथ ही स्थानीय बोली-भाषाओं के प्रचार प्रसार पर कार्य करना होगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड भाषा संस्थान द्वारा साहित्यकारों के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटन से जोड़ते हुए प्रदेश के प्रसिद्ध साहित्यकारों के ग्रामों को साहित्य ग्राम के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जिससे साहित्य लेखन से जुड़े देशी-विदेशी पर्यटकों को इसका लाभ मिल सके। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड साहित्य गौरव सम्मान के अन्तर्गत बाल साहित्य को भी जोड़ा जाए। शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उत्तराखण्ड भाषा संस्थान द्वारा एससीईआरटी से समन्वय बनाते हुए स्थानीय बोली भाषाओं में कहानी, लघुकथा एवं नाटक आदि को छोटे बच्चों

के पाठ्यक्रम में शामिल कराया जाए। उन्होंने उत्तराखण्ड साहित्य गौरव सम्मान के अन्तर्गत ऐसे वरिष्ठ साहित्यकारों, जिन्होंने साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है, उनके लिए सम्मान धनराशि को एक लाख रुपए से बढ़ाकर एक लाख इक्यावन हजार रुपए किए जाने की बात कही। उन्होंने नवोदित साहित्यकारों को पुस्तक प्रकाशन में भी सहायता प्रदान किए जाने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री ने विभाग की नियमावली एवं ढांचा शीघ्र तैयार किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड भाषा संस्थान द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कार एवं सम्मान की नियमावली शीघ्र तैयार की जाए। इस अवसर पर सचिव श्री दिलीप जावलकर, श्री विनोद रतूड़ी, निदेशक उत्तराखण्ड भाषा संस्थान श्रीमती स्वाति भदौरिया, कुलपति दून विश्व विद्यालय डॉ. सुरेखा डंगवाल, कुलपति उत्तराखण्ड संस्कृति विश्वविद्यालय प्रो. दिनेश चन्द्र शास्त्री, श्री नरेन्द्र सिंह नेगी, डॉ. सुधारानी पाण्डेय, डॉ. हरिसुमन बिष्ट, प्रो. देव सिंह पोखरिया, प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी, प्रो. मृदुला जुगरान, डॉ. हयात सिंह रावत एवं श्री कौस्तुभानंद चंदोला सहित प्रबन्ध कार्यकारिणी के अन्य वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

15 जुलाई को होगी प्रदेश कार्यसमिति की बैठक

देहरादून। लोकसभा चुनाव के बाद दो विस सीटों पर उपचुनाव से फारिग होने के बाद भाजपा के प्रदेशस्तरीय नेता और कार्यकर्ता आगामी सांगठनिक और चुनावी रणनीति पर मंथन करने के लिए देहरादून में जुटेंगे। पार्टी ने देहरादून स्थित ग्राफिक एरा विवि के कैंपस में 15 जुलाई को प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रखी है। इस बैठक में पार्टी के 1350 प्रतिनिधियों के साथ ही खास मेहमान के तौर पर केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल खट्टर शिरकत करेंगे। प्रदेश प्रभारी, मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष समेत पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं का पार्टी पदाधिकारियों को मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी के मुताबिक लोकसभा चुनावों में हासिल शानदार जीत को लेकर सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करने के अतिरिक्त उनके चुनाव के अनुभवों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। ऐसे तमाम बूथ जहां पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। वहां के कार्यकर्ता को सम्मानित किया जाएगा। कार्यसमिति में जुलाई अंत से सदस्यता अभियान से शुरू होने वाली सांगठनिक चुनाव प्रक्रिया पर चर्चा होगी। नवंबर माह तक प्रदेश अध्यक्ष दिसंबर तक नये राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। सबसे पहले बूथ समितियों का गठन होगा। फिर मंडल अध्यक्ष व जिला अध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। इस पूरी विस्तृत प्रक्रिया की सभी प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी जाएगी। कार्यसमिति में निकाय एवं पंचायत चुनावों की तैयारी के साथ सांगठनिक चुनावों प्रक्रिया शुरू करने की चर्चा की जाएगी। वहीं निकाय और पंचायत चुनाव की रणनीति पर भी विचार विमर्श के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा।

भाविप शाखा काठगोदाम ने लगाया एनीमिया मुक्त शिविर

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। भारत विकास परिषद शाखा काठगोदाम द्वारा राजकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय बमोरी मै एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत शिविर आयोजित किया गया।, जिसमे काया आयु मेडिकल कॉलेज की कंसल्टेंट डॉ स्वाति भट्ट, एमडी ने बालिकाओं का स्वास्थ्य परिक्षण एवं हीमोग्लोबिन जाँच करवाई। कार्यक्रम का प्रारम्भ परिषद के प्रांतीय संगठन सचिव डॉ विनय खुल्लर, अध्यक्ष दीपक

माहेश्वरी, डॉ स्वाति भट्ट, सचिव नीलम शर्मा ने किया। डॉ भट्ट ने बालिकाओं मे रक्तल्पता के कारण एवं उसके निवारण के लिए उचित दिशा निर्देश दिए एवं कहा भोजन आदि मे संतुलित आहार एवं पर्सनल हाईजिन का अच्छे से पालन करने, आहार मे आईरन युक्त हरी पत्ते वाली सब्जियाँ का प्रयोग करने की जानकारी दी। शिविर में कुल 70 छात्राओं का हीमोग्लोबिन टेस्ट किया गया एवं उन्हें आईरन की ओषधि वितरण की गई। शिविर मे नीलम शर्मा, महिला संयोजिका गरिमा सिंघल, ममता खुल्लर, दीपक बिष्ट, रश्मि जैन, सुशील मित्तल, विद्यालय प्रधानाचार्य आभा श्रीवास्तव, सुनीता बिष्ट, बीना जोशी, लता पाण्डेय मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षित तो जीवन सुरक्षितः जोशन

सितारगंज (उद संवाददाता)।भारत विकास परिषद की स्थानीय शाखा स्थापना दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रांतीय अध्यक्ष नरेश कंसल व अध्यक्ष अजीत सिंह जोशन के नेतृत्व में रामलीला ग्राउंड व सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में फलदार व छायादार वृक्ष लगाए गए। उनके संरक्षण की जिम्मेदारी सभी कार्यकर्ताओं ने ली।

अध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि पर्यावरण को संतुलित रखना सभी कि जिम्मेदारी है, पर्यावरण संरक्षित है तो जीवन सुरक्षित है। प्रांतीय अध्यक्ष नरेश कंसल ने कहा वृक्ष ही जीवन है सबकों मिलकर नए पौधों को रोपना है, ताकि जलवायु का संतुलन बना रहे। प्रांतीय मीडिया प्रभारी व वरिष्ठ समाजसेवी महेश मित्तल ने सभी से आह्वान किया कि सभी संकल्प लें कि अपने परिवार के सभी सदस्यो के साथ 11 पौधे जरूर लगाए। इस मौके पर अजीत सिंह जोशन,नरेश कंसल,महेश मित्तल,पवन बड़सीवाल,अमित गोयल, संजय जैन, राजू सिड़ाना, शिव पाल चौहान,मनीष मित्तल, सुरेश जैन, राकेश त्यागी,हिमांशु सिंघल आदि थे।

भगवान महावीर की शिक्षायें आज भी प्रासंगिक : राज्यपाल

देहरादून(उद संवाददाता)। मंगलवार को राजभवन ऑडिटोरियम में भगवान महावीर के 2550 निर्वाण वर्ष एवं अहिंसा विश्व भारती संस्था के स्थापना दिवस पर 'भारतीय संस्कृति एवं महावीर दर्शन में वैश्विक समस्याओं का समाधान' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने किया। कार्यक्रम में उन्होंने विश्व शांति केंद्र की परिचय पुस्तिका का लोकार्पण भी किया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि भगवान महावीर की शिक्षाएं तत्कालीन समय में जितनी उपयोगी थी, उससे अधिक मौजूदा समय में प्रासंगिक हैं। उनके अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह दर्शन में अनेक वैश्विक समस्याओं का समाधान प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया में युद्ध और हिंसा, ग्लोबल वार्मिंग, पर्यावरण प्रदूषण, बीमारियों और अवसाद जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है। ऐसे समय में जब विश्व के समक्ष बहुत सी चुनौतियां मौजूद हैं और हम उनके समाधान के उपाय ढूंढ रहे हैं। भारतीय संस्कृति और भगवान महावीर के दर्शन में इन सभी समस्याओं का समाधान निहित है। राज्यपाल ने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि भगवान महावीर के बताए मार्ग पर चलते हुए आचार्य लोकेश जी पूरी दुनिया में उनकी शिक्षाओं और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयत्न कर रहे हैं। इसी क्रम में इस वर्ष कनाडा और ब्रिटेन की पार्लियामेंट एवं कैलिफोर्निया की असेंबली में आचार्य लोकेश जी की उपस्थिति में भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण वर्ष के कार्यक्रम आयोजित हुए। जैन आचार्य लोकेश जी ने कहा कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भगवान महावीर ने षट्जीविकाय का सिद्धान्त दिया जो जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण असंतुलन की समस्याओं का समाधान कर सकता है, पीस एजुकेशन जैसे कार्यक्रमों से हिंसा के मूल कारण को खत्म किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत का पहला विश्व शांति केंद्र भगवान महावीर के सिद्धांतों पर आधारित होगा। पतंजलि के आचार्य बाल कृष्ण जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में 'वसुधैव कुटुंबकम' एवं 'सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे संतु: निरामया' का संदेश पूरी दुनिया को दिया। किसी के लिए कोई देश एक बाजार हो सकता है पर भारत के लिए विश्व एक परिवार है। बौद्ध भिक्षु दीपांकर सुमेधों ने कहा कि अहिंसा, दया, करुणा, मानवता, के मूल्यों को अपनाने की, उनको अपने जीवन में उतारने की और क्रियान्वित करने की आवश्यकता है। महावीर की शिक्षाओं से ही विश्व में शांति सद्भावना संभव है। कार्यक्रम का संचालन कर्नल टी. पी. त्यागी एवं केनु अग्रवाल ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सुश्री तारकेशवर मिश्रा ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अमेरिकी राष्ट्रपति के सलाहकार अजय भूतोरिया, कार्यक्रम समन्वयक सतीश अग्रवाल, प्रेम प्रकाश गुप्ता, विनीत शर्मा सहित अनेक संख्या में लोग मौजूद रहे।

ग्राम प्रधान की हार्ट अटैक से हुई मौत

गरुड़(उद संवाददाता)।विकासखंड गरुड़ के लक्सरखेत ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान का दिल का दौरा पड़ने से अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।लक्सरखेत ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार राठी48 साल की मंगलवार सुबह अचानक तबियत बिगड़ गई, तब वे अपने दामाद को ग्वालदम मिलने गए थे तभी अचानक उन्हें सीने में तेज दर्द होने लगा, जिसके बाद उनके रिश्तेदार तत्काल उन्हें अस्पताल लाए।जहाँ उनकी मौत हो गई। बैजनाथ अस्पताल पहुँचने पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ विजय कुमार गुप्ता, डॉक्टर कमल, डॉ शिखर द्वारा काफी कोशिश की गई लेकिन भरसक कोशिशें करने के बाद भी स्वास्थ में कोई सुधार नहीं हुआ।जहाँ इलाज के दौरान उनका देहावसान हो गया।अस्पताल द्वारा मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद थानाध्यक्ष बैजनाथ प्रताप नगरकोटी, एस आई विनिता विष्ट, कोस्टेबल नरेन्द्र सिंह, प्रदीप रौतेला, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैजनाथ पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। जिसके बाद पंचनामा भर कर शव को परिजनों को सौप दिया गया। ग्राम प्रधान की मौत की सुचना मिलते ही राज्य दर्जा मंत्री शिव सिंह विष्ट, पूर्व विधायक कपकोट ललित फर्श्वाण,जिला पंचायत सदस्य जनार्दन लोहनी, गोपाल किरमोलिया, काग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष गिरीश कोरंगा ,घनश्याम जोशी, व्यापार संघ अध्यक्ष महेश ठाकुर,दिनेश बिष्ट, प्रकाश कोहली, भैरव नाथ टम्टा, सुनील दोसाद, हरीश रावत ने ग्राम प्रधान के आकस्मिक निधन पर शोक बयक्त किया।

जूनियर बालिका नेशनल फुटबॉल टीम का चयन परीक्षण 11 को

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड की जूनियर बालिका नेशनल फुटबॉल टीम का चयन परीक्षण कल 11 जुलाई को पवेलियन ग्राउंड देहरादून के मैदान पर होगा। उत्तराखंड फुटबॉल संघ के अवैतनिक महासचिव अख्तर अली ने बताया कि जूनियर बालिका नेशनल फुटबॉल टीम में भाग लेने के लिए उत्तराखंड फुटबॉल टीम का चयन परीक्षण 11 जुलाई को सुबह 9 बजे से पवेलियन ग्राउंड देहरादून में किया जाएगा। इस चयन परीक्षण में भाग लेने हेतु खिलाड़ियों की आयु सीमा 1 जनवरी 2008 से 31 दिसंबर 2010 तक के ही खिलाड़ी भाग लेंगे। खिलाड़ी चयन परीक्षण में भाग लेने के लिये अपने साथ ओरिजिनल जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड और नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज अवश्य लाएं।

पेज एक का शेष...

केदारनाथ की विधायक ...सफर कांग्रेस से शुरू किया था और 2012 में वह विधानसभा पहुंची थीं। हरीश रावत की सरकार के दौरान कांग्रेस में हुई बगावत के समय शैलारानी भी पार्टी के नौ वरिष्ठ विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो गईं। भाजपा ने 2017 विधानसभा चुनाव में उन्हें केदारनाथ सीट से टिकट दिया था, लेकिन वह हार गई थीं। 2022 में पार्टी ने उन्हें फिर प्रत्याशी बनाया। तब शैलारानी ने जीत दर्ज की थी। अब उनके निधन के बाद यह सीट खाली हो गई है।

उपचुनाव के लिए वोटिंग...बाद तनाव के बीच मतदान पुन: शुरू हुआ। बता दें मंगलौर विस सीट बसपा का गढ़ रही है। राज्य गठन के बाद हुए पांच विधानसभा चुनाव में इस सीट पर चार बार बसपा ने जीत हासिल की, जबकि एक बार कांग्रेस को जीत मिली। बसपा की ओर से इस बार दिवंगत विधायक सरवत करीम अंसारी के पुत्र उबेदुर्रहमान को टिकट दिया गया है। जबकि कांग्रेस पार्टी ने मंगलौर सीट पर अनुभवी और बदरीनाथ सीट पर नए चेहरे पर दांव लगाया है। दोनों ही प्रत्याशी लंबे समय से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हैं। मंगलौर सीट से काजी मोहम्मद निजामुद्दीन और बदरीनाथ सीट से प्रत्याशी लखपत बुटोला पर दांव लगाया है। बदरीनाथ से भाजपा ने पूर्व विधायक राजेंद्र भंडारी को प्रत्याशी बनाया है। भंडारी लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा ने मंगलौर विधानसभा सीट से करतार सिंह भड़ाना को प्रत्याशी बनाया है। भड़ाना हरियाणा और उत्तर प्रदेश में विधायक रह चुके हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। बदरीनाथ और मंगलौर दोनों ही विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए समाचार लिखे जाने तक मतदान जारी था। मतदान शाम छह बजे तक होगा।

यौन शोषण के मामले में...पूर्व नेता संजय कुमार ने याचिका दायर कर हाईकोर्ट में चुनौती दी । न्यायमूर्ति राकेश कुमार की एकल पीठ ने याचिकाकर्ता और शिकायतकर्ता के मोबाइल के विवरण और डेटा से संबंधित फारेंसिक रिपोर्ट सहित सबूतों की सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद मंगलवार को सुनवाई के बाद कहा कि शिकायतकर्ता की ओर से लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया मामला नही बनता है । याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कहा कि शिकायतकर्ता ने सीआरपीसी की धारा -161 एवं 164 के तहत दर्ज कराए बयान में दुराचार का उल्लेख नहीं किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि संजय कुमार ने 10 मार्च 2018 को अपने आवास पर उससे दुराचार किया। जांच करने पर पता चला की संजय कुमार उस दिन देहरादून में मौजूद ही नही थे, इसलिए जांच अधिकारी ने केवल धारा 354 ((ए)। (तीन) ओर (चार) आरोप पत्र प्रस्तुत किया। यह भी बताया कि मोबाइल फोन चंडीगढ़ भेजे थे लेकिन उसके मोबाइल सेट में यहां तक कि वाट्सअप संदेशों से भी ऐसा कोई कोई वीडियो नही मिला है। कोर्ट ने कहा है कि रेखांकित करना जरूरी है कि केवल बातचीत की मौजूदगी से ही दोषी का पता नही चला है अथवा यौन उत्पीडन के आरोपों को वैध नहीं माना जायेगा। कोर्ट ने एफआईआर और बयानों में शिकायतकर्ता के आरोपों में विसंगतियां पाईऔर कहा कि यह विसंगतियां मामले की प्रमाणिकता पर संदेह पैदा करती है। कोर्ट ने इस आधार पर संजय कुमार का सीजेएम देहरादून के समक्ष लंबित मामले में मुकदमे का सामना करने के लिए भेजा गया समन निरस्त कर दिया। बता दें दुराचार और यौन शोषण के आरोप लगने के बाद 2019 में संजय कुमार को संगठन महामंत्री पद से हटा दिया गया था।

डिमरी नदी में डूबने ..में आकाश की खोज की जाती रही लेकिन उसका पता नहीं चल सका। जिस पर टीम लौट गई। इधर आज प्रात: नदी का जल स्तर कुछ कम होने पर ग्राम के जगदीश जोशी, विश्वमित्र, श्यामसुन्दर आदि ने नदी में उतर कर आकाश की तलाश शुरू कर दी। काफी देर तक खोजबीन करने के बाद उन्हें आकाश का शव नदी में डूबा हुआ मिला। जिसे बाहर निकाला गया। शव मिलने की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस कर्मियों के साथ ही पटवारी प्रकाश रावत, वसीम अहमद राधे सिंह राणाव कानूनगो राधे सिंह राणा सहित कई जनप्रतिनिधि व ग्रामीण भी मौके पर आ पहुंचे। पुलिस मे मृतक का शव जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि मृतक आकाश एक फैक्ट्री में काम करता था जबकि उसके पिता दलीप व भाई दिनेश मजदूरी करते हैं। एक बहन का विवाह हो चुका है। मां ज्ञानमती सहित सभी परिजनों में कोहराम मचा है।

जमरानी बांध विस्थापितों से ..जमरानी बांध के प्रभावित परिवारों को पुनर्वास हो हमें कोई आपत्ति नहीं है। परंतु उससे पहले प्रयाग फॉर्म व खुरपिया फार्म में बसे लोगों का पुनर्वास हो उनके लिए भी इसी के साथ जमीन का ले-आउट किया जाए । अगर ऐसा नहीं होता तो इसका विरोध किया जाएगा नहीं तो ले-आउट नहीं होने दिया जाएगा । विधायक बेहड़ ने आयुक्त कुमायूँ मण्डल और जिलाधिकारी से इस प्रकरण पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए प्रयाग फॉर्म व खुरपिया फार्म में बसे लोगों का पुनर्वास करने की मांग की है। उन्होंने पंतनगर थाना प्रभारी के विरुद्ध दर्ज की गई एफआईआर को लेकर पूर्व विधायक राजेश शुक्ला द्वारा की जा रही बयान बाजी पर कहा कि पूर्व विधायक जातिवाद की राजनीति कर रहे हैं जबकि सभी लोग अन्य जाति के हैं। उन्होंने कहा कि शुक्ला अनर्गल बयान बाजी पर उतर आए हैं।उन्होंने कहा कि जो भी जनता का शोषण करेगा। मैं उसके खिलाफ आवाज उठाऊंगा। उन्होंने कहा कि क्या राजेश शुक्ला ने कर्मचारियों का ठेका ले रखा है जो उनके पक्ष की बात करते रहते हैं जो गलत होगा मैं उसके खिलाफ आवाज जोर से उठाऊंगा चाहे वह कोई भी हों। पत्रकार वार्ता में भूपेंद्र चौधरी, निवर्तमान पालिकाध्यक्ष दर्शन कुमार कोली भी मौजूद थे।

व्यापारी के घर में ..कुमार पुत्र नन्द किशोर, ग्राम जीतपुर नेगी हल्द्वानी निवासी उज्जवल सिंह परगाई पुत्र नन्दन सिंह एवं वार्ड न.6 कालाढूंगी नैनीताल निवासी मौहम्मद अजीम पुत्र मोहम्मद इजराईल शामिल है। जिनके पास से पुलिस ने सोने के जेवरात,हजारों की नगदी व अन्य सामान बरामद कर लिया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल संख्या यूके 04एई 5627 को भी अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस पकड़े गये सभी शातिर चोरों से पूछताछ कर रही है। सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान पकड़े गये शातिर चोरों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 29 जून की रात्रि घर के ताले तोड़कर जेवर,नगदी सहित अन्य सामान चोरी किया था। जिनमें चोरी किये गये जेवरातों को उन्होंने गिन्नी में बदल दिया गया था जिसका सौदा मोहम्मद अजीम से 40 हजार रूपये में किया। अजीम पैसे देने जब गंगापुर मार्ग पर पहुंचा तब पुलिस की मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मौके पर ही सुभाष, उज्जवल,संदीप व अजीम को जेवर,नगदी व अन्य सामान के साथ घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल समेत दबोच लिया।

अभद्रता पर पूर्व ...शुक्ला धरने पर बैठ गये। धरना स्थल पर बेहड़ के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गयी। बाद में एसएसपी के खेद व्यक्त करने पर शुक्ला धरने से उठे। एसएसपी से मुलाकात के दौरान पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि 9 फरवरी 2018 से अब तक लगातार छेड़छाड़ ,बलात्कार एवं आत्महत्या झेलने वाली संध्या के परिवार का उत्पीड़न किया जा रहा है। विधायक बेहड़ के दबाव में पीड़िता स्वर्गीय संध्या के परिजनों पर मुकदमा लिखाया गया है ताकि वे लोग मजबूर होकर संध्या के साथ छेड़छाड़, बलात्कार एवं उसकी आत्महत्या के मुकदमे में समझौता कर लें। शुक्ला ने कहा कि स्वर्गीय संध्या की आत्महत्या के नामजद आरोपियों में से जिन अभियुक्तों के नाम निकाले गए उनमें वो भी है जिसके साथ कोतवाल की कथित अश्लील बातचीत की ऑडियो सामने आयी थी। शुक्ला ने कहा कि गंदी बातें करने वाले एसएचओ के खिलाफ कार्रवाई करके शासन प्रशासन ने ठीक काम किया लेकिन इसकी पूरी जांच होनी चाहिए कि उस ऑडियो के प्रेशर में युवती ने पुलिस से अपना नाम कैसे निकलवाया। वहीं शुक्ला ने बेहड़ से सवाल किया कि एसएचओ ने जो अश्लील बातें की उसकी पीड़िता के पक्ष में वो खड़े हैं ये ठीक है लेकिन युवती एवं उसके परिवार एवं पिता से पीड़ित आत्महत्या एवं बलात्कार की कोशिश झेलने वाली स्वर्गीय संध्या एवं उसका परिवार क्या पीड़ित नहीं है? उसके लिए बेहड़ ने आज तक एक शब्द नहीं बोला और न हीं उनके आवास जाकर संवेदना व्यक्त की बल्कि उल्टे 3 जुलाई 2024 को एक झूठा मुकदमा उसी परिवार पर धरना देकर लिखवा दिया। शुक्ला ने कहा कि इस पूरे मामले के सभी तथ्यों की जांच कर झूठे मुकदमे लिखवाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई तथा ऑडियो की जांच कर उसके माध्यम से आरोपियों को की गई मदद की भी जांच होनी चाहिए। शुक्ला के साथ इस धरने में पीड़िता स्वर्गीय संध्या की मां- पिता के साथ-साथ क्षेत्र के तमाम भाजपा कार्यकर्ता भाजपा मंडल अध्यक्ष अक्षय अरोड़ा, मंडल उपाध्यक्ष सचिन शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष मयंक तिवारी, आत्मा परियोजना अध्यक्ष रविकांत वर्मा, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य नंदलाल यादव, ग्राम प्रधान नारायणपुर दीपक मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य बंटी खुराना, पूर्व ग्राम प्रधान शिवकुमार यादव, सभासद रज्जी कोली, जिला उपाध्यक्ष राजेश तिवारी, जिला संयोजक डीएन यादव, अमरनाथ कश्यप, रामपाल यादव, सुशील यादव, मंडल महामंत्री बलजीत गाबा, छोटू गिरी, सचिन शर्मा, अमित कश्यप, मनीष गुप्ता ,मनजीत सिंह कामरा समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

तीन दिन से लापता...शाम तक घर नही पहुंचा, स्वजनों ने उसकी खोजबीन की तो उसका कही पता नही चला। ग्राम बरकीड़ाडी में भारी बारिश में देवहा नदी में एक युवक के डूबने की खबर गांव में फैली थी, लेकिन डुबे युवक का कही पता नही चला था। 9 जुलाई को हरीश राणा की गुमशुदगी की सूचना परिवार वालों ने पुलिस को दी थी। बुधवार को प्रात: पुलिस को नानकसागर बाऊली साहिब के आगे डैम में एक युवक के शव दिखाई देने की सूचना पर एसआई शंकर सिंह विष्ट, एसआई अशोक काण्डपाल मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शव की शिनाख्त स्वजनों ने हरीश राणा की रूप में की। भारी बारिष के चलते देवहा नदी के जलस्तर बढ़ने से युवक के डुबने की आषंका जताई जा रही है। नानक सागर डैम में मृत मिला युवक नगर में ही गुरुद्वारा रोड पर शम्मी गोयल की स्कूल ड्रेस की दुकान पर काम करता था, जो की 3 दिन से दुकान पर भी नहीं आया था, मृतक हरीश राणा शादीशुदा है, जिसकी लड़कियां बताई जा रही है, हरीश राणा की मौत पर आसपास के दुकानदार भी गमगीन है।

कैंटर की टक्कर से ...मिलते ही विशाल के परिजन मौके पर आ गये और उसे उपचार के लिये एक निजी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां हालत में सुधार न होने पर उसे राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विशाल की मौत से उसके परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

गधेरे में बहने से फौजी युवक की मौत

छुट्टी मनाने पहुंचे थे सभी दोस्त,नहाने के लिए कूदा था हिमांशु

नैनीताल। भीमताल के धारी ब्लॉक के पदमपुरी मार्ग पर स्थित बमेटा गांव के पुल से लगे गधेरे में मंगलवार की शाम नहाते समय एक फौजी पानी के तेज बहाव के चलते डूब गया। फौजी युवक को डूबते साथी दोस्त उसे बचाने के लिए गधेरे में कूदे लेकिन पानी के बहाव में युवक का पता नहीं चल पाया। घटना की सूचना साथी दोस्त ने जिला प्रशासन को दी। जिला प्रशासन को सूचना मिलते ही धारी तहसील की टीम, पुलिस, एसडीआरएफ, फायर यूनिट की टीम मौके पर पहुंची। लेकिन अंधेरा होने के चलते युवक का पता नहीं चल पाया। घटना की सूचना पर धारी एसडीएम केएन गोस्वामी देर रात पतलोट से तहसीलदार के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। एसडीएम केएन गोस्वामी ने बताया कि मंगलवार की शाम विनोद सिंह पुत्र देवेंद्र सिंह निवासी देवलचौड़ हल्द्वानी ने जिला प्रशासन को सूचना दी की वह अपने चार अन्य साथियों के साथ बमेटा गांव घूमने आए थे। उन्होंने कहा कि गधेरे के पास पानी देख वह और उसके साथी घूमने आए थे। जिसमें हिमांशु देफौटिया (25) पुत्र पुष्कर देफौटिया निवासी बागेश्वर वतर्मान निवासी कुसुमेखेड़ा हल्द्वानी, प्रदीप नेगी पुत्र नंदन सिंह

निवासी सोमेश्वर अल्मोड़ा, आकाश बिष्ट पुत्र लाल सिंह निवासी शेरपुर देहरादून, चंदन सिंह निवासी मानपुर वेस्ट हल्द्वानी के साथ नहाने के लिए गधेरे पर उतरे थे। उन्होंने कहा कि नहाते समय हिमांशु देफौटिया पानी के तेज बहाव में बह गया है। हिमांशु को बचाने के लिए सभी लोग गधेरे पर उतरे लेकिन पानी का बहाव अधिक होने से पता नहीं चल पाया। एसडीएम ने बताया कि सभी लोग कुमाऊं रेजीमेंट के नाइन कुमाऊं की यूनिट में है जो दिल्ली में तैनात है। एसडीएम ने कहा कि घटना के बाद राजस्व विभाग की टीम, पुलिस, एसडीआरएफ, फायर यूनिट और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाया गया। लेकिन अंधेरा होने के चलते पता नहीं चल पाया है। एसडीएम ने कहा कि बुधवार की सुबह भी युवक की खोजबीन की जाएगी। बमेटा पुल के पास गधेरे में जिस जगह हिमांशु देफौटिया अपने चार दोस्तों के साथ नहा रहा था। उस जगह एक बुजुर्ग व्यक्ति ने सभी से पानी का बहाव अधिक होने की बात कहकर नहाने से मना किया था। जिसके बाद चार दोस्त वापस आ गए थे। लेकिन हिमांशु गधेरे में नहाते रहा अचानक पानी का बहाव तेज होने से हिमांशु बह गया। स्थानीय लोगों ने कहा अगर हिमांशु बुजुर्ग की बात मान लेता तो शायद वह डूबा नहीं होता। मंगलवार की शाम 3.30 बजे सभी दोस्त घूमने के लिए पहुंचे हुए थे। लेकिन गधेरे में पानी देख सभी नहाने उतर गए। हिमांशु के दोस्तों ने पुलिस को बताया कि वह लोग छुट्टी पर घूमने आए हुए थे। पदमपुरी मार्ग पर सड़क से नीचे बहने वाली परीताल में बीते तीन साल में चार लोगों की मौत हो चुकी हैं। लेकिन इसके बाद भी पुलिस और प्रशासन की ओर से परीताल में नहाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। मंगलवार को जिस बमेटा गांव में पुल के पास हिमांशु देफौटिया नहाते समय डूबे है उस जगह से थोड़ा नीचे ही परीताल है।

तीन दिन पूर्व बहे युवक का शव बरामद

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)। धौरा डाम जलाशय के बरसाती नाले में बहे शक्तिफार्म के निर्मल नगर निवासी ग्रामीण जगदीश का शव एनडीआरएफ की टीम ने ग्रामीणों की मदद से तीसरे दिन बरामद कर लिया। सोमवार को नदी में बहे संजीत मण्डल को टीमें तलाश कर रही हैं। रविवार की देर शाम 40 वर्षीय जगदीश मण्डल पुत्र विनोद मण्डल निवासी निर्मलनगर कटना नाले में बह गया था। मंगलवार को एनडीआरफ की टीम ने जगदीश का शव धौरा डाम से बरामद

किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द किया। जगदीश के घर में कोहराम मचा है। इधर सोमवार को बहे 33 वर्षीय संजीत मण्डल उर्फ बप्पी पुत्र हजारी मण्डल निवासी बीस क्वाटर, निर्मलनगर को खोजने के लिए टीम लगातार जुटी हैं। संजीत सोमवार को अपने खेत में फसल देखने गया था। अचानक मिट्टी धसने से बप्पी सूखी नदी के तेज बहाव में बह गया था। सोमवार की शाम कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने दोनों परिवारों के घर पहुंचकर ढांढ़स बधाते हुए हरसम्भव सहयोग को भरोसा दिया था। दोनों लापता ग्रामीणों को खोजने के लिए एनडीआरफ, एसडीआरएफ व स्थानीय पुलिस को सर्च अभियान तेज करने के निर्देश दिए थे।

आढ़ पीड़ितों को बांटी पांच-पांच हजार की सहायता राशि

किच्छा(उद संवाददाता)। सेमलपुरा बंगाली कालोनी के बाढ़ पीड़ित परिवारों को प्रशासन ने पांच-पांच हजार रुपये की सहायता राशि वितरित की। तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि पानी कम होने तक बाढ़ पीड़ितों की प्राइमरी स्कूल सेमल पुरा में बनाए गए राहत शिविर में व्यवस्था की गई है। बीते सोमवार को ग्राम सेमलपुरा बंगाली कालोनी में बरिश के पानी से जलभराव हो गया था। इसके कारण वहां रहने वाले बीस परिवारों को ग्राम सेमलपुरा के प्राइमरी स्कूल में बने राहत कैंप में शिफ्ट किया गया था। मंगलवार को राजस्व विभाग की टीम ने पीड़ित 20 परिवारों को चेक वितरित किए। तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि शिविर में पीड़ित परिवारों के भोजन इत्यादि की पूरी व्यवस्था की गई है। उन्हें तुरंत आर्थिक सहायता देने के लिए पांच-पांच हजार रुपये के चेक वितरित किए गए हैं। बाढ़ के पानी की निकासी होने के बाद ही पीड़ितों को उनके घर में जाने दिया जाएगा। तहसीलदार ने बताया कि पुरानी गल्ला मंडी किच्छा में भी तीन परिवारों को आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए गए हैं। तहसीलदार गिरीश त्रिपाठी ने नदी किनारे व निचले स्थल पर रह रहे लोगों से अपील की है कि वर्षा कल के दौरान सतर्क रहें तथा पानी के बहाह की ओर न जाए यदि भूमि कटान हो रहा है तो उक्त स्थान को खाली कर दें तथा जल भराव की स्थिति होने पर ऊंचे स्थल पर चले जाएं उन्होंने कहा कि आगे भी वर्षा कल चलता रहेगा प्रत्येक नागरिक को सतर्कता बनाए रखनी चाहिए । इस मौके पर राजस्व उप निरीक्षक अशोक कुमार राजस्व उप निरीक्षक तनुजा बोरा उपस्थित थे।

गौला नदी के तेज बहाव में बही 13 वर्षीय किशोरी

उपजिलाधिकारी और तहसीलदार किच्छा मौके पर पहुंचे, सर्च अभियान जारी

किच्छा(उद संवाददाता)। किच्छा के निकटवर्ती ग्राम शान्तिपुरी नं०3 की एक किशोरी गौला नदी में बह गयी। सूचना मिलते ही आनन फानन में उपजिलाधिकारी कोस्तुभ मिश्र और तहसीलदार गिरीश त्रिपाठी किच्छा द्वारा बचाव दल एन डी आर एफ के साथ 13 वर्षीय किशोरी को खोजने में जुट गए। गरीब परिवार की नाबालिग लड़की के पिता पैरालाइज हैं। दुर्घटना से लड़की के परिवार में कोहराम मच गया है। तहसीलदार किच्छा ने बताया कि बचाव दल युद्ध स्तर पर खोजबीन कर रहा है। जानकारी में आया है कि 13 वर्षीय अनुष्का बिष्ट और अन्ना बिष्ट गोला नदी के किनारे स्थित अपने खेत को देखने के लिए अपने चार बहनों के साथ खेत पर गई थी तथा गोला नदी द्वारा किए जा रहे कटान का जायजा लेने के दौरान अचानक खेत के पास कटान के स्थान पर मिट्टी धंस गई और अनुष्का गोला नदी के गहरे पानी में जा गिरी। साथ गई लड़कियों द्वारा शोर मचा कर तथा गांव में सूचना भेजकर अनुष्का बिष्ट के बहने की सूचना दी गई तो तमाम ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और इसकी सूचना तहसील प्रशासन और आपदा प्रबंधन केंद्र को दी गई जिस पर आपदा प्रबंधन का नियंत्रण देख रहे उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार शिक्षा द्वारा एनडीआरएफ को भी सूचना दी गई और मौके पर पहुंचकर गोला में वही किशोरी को ढूंढने के लिए प्रयास शुरू कर दिए किंतु सांय का समय होने के कारण एवं गोला के जल का भाव तीव्र होने के चलते सफलता हासिल नहीं हो पाई देर रात तक गोला में वही किशोरी के खोजबीन का कार्य चलता रहा जो कि प्रातः गौला में वही किशोरी को ढूंढते हुए एनडीआरएफ की टीम किच्छा पुरानी मंडी स्थित गोला नदी तक पहुंच गई है किंतु किशोरी का पता अभी तक नहीं चल पाया है ।

बारिश से प्रभावित ग्रामीणों का जाना हाल

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)।कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी मंगलवार को राहत शिविर में शक्तिफार्म के अरविंद नगर और झाड़ी गांव के बाढ़ पीड़ितों से मिलने पहुंचे। बाढ़ पीड़ितों ने मंत्री गणेश जोशी को बताया कि प्रत्येक वर्ष उन्हें मानसून में बाढ़ का अत्यधिक कहर का सामना करना पड़ता है। गांव में आठ से 10 फुट तक जलभराव होने से उनके घर डूब जाते हैं। इससे घर का सारा सामान तो नष्ट होता ही है, खेती बाढ़ी भी बर्बाद हो जाते हैं। उन्होंने मंत्री से कहा कि इस बार सरकार से उन्हें मुआवजा नहीं बल्कि समस्या का स्थायी समाधान चाहिए। जोशी ने लोगों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। बता दे शक्तिफार्म के अरविन्द नगर 7,8,9 नम्बर झाड़ी गांव, गोविंद नगर,बैकुंठपुर, जेल कैंप,सुरेंद्र नगर,निर्मल नगर,टैगोर नगर,राज नगर,देव नगर ,गुरुग्राम,तिलियापुर, बसगर क्षेत्र बारिश के जल स्तर बढ़ने से जलमग्न हो जाता है। ग्रामीणों को काफी नुकसान उठाना पड़ता है।

आरएएन स्कूल में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

रूद्रपुर ।आर.ए. एन. पब्लिक स्कूल में रोटरी क्लब के सहयोग से स्वास्थ्य, नेत्र एवं दांत जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन डॉ नूतन जैन वरिष्ठ नेत्र सर्जन और डॉ अंकिता ग्रोवर वरिष्ठ दंत चिकित्सक महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल एवं उनकी टीम के सहयोग से किया गया। शिविर में कक्षा 3 से कक्षा 8 के विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। तत्पश्चात विद्यालय प्रधानाचार्या श्रीमती भावना भनोट ने विशिष्ट अतिथियों रोटरी क्लब रुद्रपुर के अध्यक्ष रोटेरियन जयप्रकाश अग्रवाल एवं रोटरी क्लब रुद्रपुर की सचिव रोटेरियन डॉक्टर नीतिका पांडे का स्वागत करते हुए कहा कि जीवन में सफल होने के लिए अपने स्वास्थ्य की पूर्ण देखभाल करना अत्यंत आवश्यक होता है। अतिथियों को पौधा व मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर विद्यालय में अगले तीन दिनों तक चलेगा। डॉ नूतन ने आंखों के बारे में जानकारी देते हुए आंखों की देखभाल करने के कई महत्वपूर्ण तरीकों के बारे में बताया। डॉ अंकित ने दांतों की देखभाल एवं उन्हें साफ रखने के महत्व के बारे में बताया। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने डॉक्टरों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए एवं अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल की। अंत में विद्यालय प्रबंधक मोहित राय ने आए हुए अतिथियों का अपना कीमती समय देने के लिए आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों को नियमित रूप से अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया।

देवहा नदी के रोद्र रूप ने ग्रामीण क्षेत्रों में मचाई भारी तबाही

बरकीड़ाडी व हरैया में पुलिया व सड़क बह गई, गुर्जरों के डेरे में घुसा पानी

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। तराई व पहाड़ो में सोमवार को हुई भारी बारिश से देवहा नदी के जलस्तर ने ग्रामीण क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। देवहा नदी के किनारें डेरे जमाकर बसें गुर्जरों के डेरे में आधी रात में पानी आने रातों रात गुर्जरों को भागकर अपना जान बचानी पड़ी तो वही उनके दर्जनों मवेशी पानी के बहाव में बह गए। देवहा नदी के विकराल रूप ने गांव की कई सड़कें व पुल ध्वस्त कर दिए है। जिससें गांव में आने जाने का अवागमन बंद हो गया है। ग्रामीण लम्बी दूरी तय कर अपने घरों तक पहुंच रहें है। सोमवार को हुई भारी बारिश से पहाड़ो से देवहा नदी का जलस्तर एकाएक बढ़ गया। देवहा नदी का जलस्तर बढ़ने से पानी ने गांव की और रूख कर लिया। ग्रामीण क्षेत्रों में आई बाढ़ ने ग्राम टुकड़ी, विचुवा, कैथुलिया, बरकीड़ाडी में भारी तबाही मचाई है। ग्राम विचुवा में पानी कई घरों में घुस गया जिससें लोग घरो से वेघर होकर प्रशासन द्वारा बनाएं राहत कैम्प रहने को मजबूर हुए। यही हाल ग्राम टुकड़ी में रहा, ग्राम हरैया में तो सड़क पर नही पुलिया ही बह गई, जिससें कई गांवों को आने जाने का रास्ता बंद हो गया। बरकीड़ाडी से नगला को जोड़ने वाला रास्ता भी पुलिस के बह जाने से बंद हो गया। इधर गोलापीपल में डेरे जमाकर रह रहें गुर्जरों की आधी रात में पानी आने से आफत आ गई, गुर्जर तो सही सलामत सुरक्षित स्थान पर पहुंच गए जबकि उनके पालतु कई मवेशी पानी के तेज बहाव में बह गए। फिलहाल प्रशासन ने बंद रास्तों को खुलवाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था नही की है। पुलिया बहने से आवाजाही पूरी तरह से ठप हो गई है जिससे लोगों को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है।